लखनऊ, शुक्रवार, 09 अक्टूबर 2026
वर्ष0 : 22
अंक : 02
पृष्ठ : 8
राजधानी संस्करण
मूल्यः 2-00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

THE POWER OF TRUTH
हिंदी दैनिक

lokhastakshep.com

खेल | धनंजय डी सिल्वा ने छोड़ी श्रीलंकाई टीम की टेस्ट कप्तानी, जानें कैसा रहा बतौर कैप्टन रिकॉर्ड...........................7

5 मंजिला इमारत गिरने से 2 बच्चों और गर्भवती समेत 5 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सीमापुरी इलाके में बुधवार शाम एक पांच मंजिला इमारत का अगला हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि आठ लोग घायल हुए हैं। घटना न्यू सीमापुरी स्थित ईदगाह मछली मंडी के पास हुई। गुरुवार को बचाव अभियान के दौरान मलबे से दो और शव बरामद किए गए। मलबे में अभी भी कुछ लोगों के दबे होने की आशंका है। मृतकों में 12 वर्षीय बच्ची, एक गर्भवती महिला और पांच वर्षीय बच्चा भी शामिल है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। देर रात तक चले अभियान के दौरान 12 लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया। इनमें तीन की मौत हो गई, जबकि अन्य घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। गुरुवार को दो और शव बरामद किए जाने के बाद मृतकों की संख्या पांच हो गई।पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि धराशायी हुई इमारत अनवर नामक व्यक्ति की थी। करीब 25 गज जमीन पर 'एल' आकार में बनी यह इमारत बिना खंभों के पांच मंजिल तक बनाई गई थी। भूतल पर बिरयानी और कबाड़ की दुकानें संचालित हो रही थीं। इमारत की पहली मंजिल पर मकान मालिक अपनी पत्नी, बेटे और बहू के साथ रहता था। ऊपरी मंजिलों पर 20 से अधिक किराएदार रहते थे। इनमें बड़ी संख्या में कूड़ा बीनने वाले लोग शामिल थे। पुलिस के अनुसार, हादसे के समय इमारत के अंदर करीब 12 से 15 लोग मौजूद थे। इमारत गिरने के बाद आसपास के तीन मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर इमारत की जर्जर हालत समेत तीन संभावित कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इमारत काफी पुरानी और जर्जर थी। इसके बराबर वाले मकान में मरम्मत का काम चल रहा था, जिसके कारण इमारत की संरचना पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। कुछ स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि हाल में आए भूकंप के बाद इमारत में दरारें दिखाई देने लगी थीं।

एनडीए का मतलब 'नौकरी देंगे एलायंस': योगी

सीएम योगी ने कुशल खिलाड़ी कोटे के अंतर्गत चयनित 470 खेल प्रतिभाओं को वितरित किए नियुक्ति पत्र

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लोक भवन सभागार में उत्तर प्रदेश पुलिस में कुशल खिलाड़ी कोटे के अंतर्गत चयनित 470 खेल प्रतिभाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों, खेलों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश में युवाओं की नौकरी पर एक परिवार का कब्जा था और नौकरी पाने के लिए 'सैफई या सिफारिश' की जरूरत पड़ती थी, जबकि आज नियुक्ति में न किसी की सिफारिश चलती है और न पैसा। आज सिर्फ खिलाड़ी की प्रतिभा, परिश्रम और पसीने की कीमत मिल रही है। 'पहले प्रदेश डुबाओ एलायंस'' था और अब एनडीए की सरकार है। एनडीए का मतलब है- 'नौकरी देंगे एलायंस।' अब नौकरी पर केवल पसीने और प्रतिभा का कब्जा है। जिन खिलाड़ियों ने अपने परिश्रम से अपनी प्रतिभा साबित की, उन्हें उसी आधार पर नियुक्ति मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले प्रदेश में युवाओं के सामने पहचान का संकट था और उनकी नौकरियों पर डकैती डाली जाती थी। खिलाड़ी मैदान में पसीना बहाता था। उसके पास सिफारिश कराने का समय नहीं था। इसी कारण उसे नौकरी नहीं मिल पाती थी। वर्ष 2017 से पहले समाजवादी पार्टी की सरकार के समय बड़ी संख्या में अराजक तत्वों को संरक्षण मिला। सपा ने प्रदेश में 10 लाख गुंडे पाले थे। वे बेटियों की सुरक्षा के लिए खतरा बनते थे। दंगे-अराजकता फैलाते, गरीबों की जमीनों पर कब्जा करते थे। इसके विपरीत हमारी सरकार ने 10 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी देकर उत्तर प्रदेश को नई पहचान देने का काम किया है। सीएम ने कहा कि जब समाजवादी पार्टी युवाओं की नियुक्ति की बात करती है तो हंसी आती है। लगता है जैसे कोई पानी में तैरता मगरमच्छ शांति का उपदेश दे रहा हो। ऐसे मगरमच्छों से सावधान रहना होगा। आप खूब खेलिए, खूब पसीना बहाइए, नए रिकॉर्ड बनाइए। नौकरी की चिंता मत करिए, हमने ऐसी पॉलिसी बना दी है कि नौकरी आपको जरूर मिलेगी। कोई भी आपका प्रमोशन नहीं टाल सकता और ऐसा करेगा तो हम उसको ही टाल देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को शराब व सपा से सावधान रहना चाहिए। ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं, दोनों ने प्रदेश को बर्बाद किया था। सरकार की खेल नीति का उद्देश्य अच्छे खिलाड़ियों को आगे बढ़ाना और उन्हें सम्मान व अवसर देना है। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में खनन, भर्ती, रिवर फ्रंट समेत विभिन्न घोटालों की चर्चा होती थी, जबकि आज प्रदेश में मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, हर कमिश्नरी में स्पोर्ट्स कॉलेज और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट, वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज और खिलाड़ियों के मेडल्स की चर्चा होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने केवल चुनाव जीतने के रिकॉर्ड नहीं बनाए, बल्कि मेडल जीतने के रिकॉर्ड भी बनाए हैं। एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों द्वारा 107 मेडल जीतने का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे अब तक का सर्वोच्च रिकॉर्ड बताया और खिलाड़ियों से नए रिकॉर्ड बनाने का आह्वान किया। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री जी खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत संवाद करते हैं, उनकी सुविधाओं पर ध्यान देते हैं और दुनिया में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को फोन करके प्रोत्साहित करते हैं।

नाना पाटेकर का राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार

पुणे में दी गई अंतिम विदाई, गोवा में कार्डियक अरेस्ट से निधन हुआ था

मुंबई,एजेंसी। नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट के बाद उन्हें करीब 45 मिनट तक CPR दी गई, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। नाना पाटेकर का पार्थिव शरीर पुणे लाया गया, जहां डोंजे गांव में रात को राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। अभिनेता जैकी श्रॉफ और निर्देशक अनिल शर्मा भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए और नाना को अंतिम विदाई दी।मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5ः20 बजे निधन हुआ। घटना के वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। नाना पाटेकर का 4 दिन पुराना आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें नाना पाटेकर ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था, हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहां रहूंगा या नहीं।नाना पाटेकर ने 100 से ज्यादा फिल्में कीं। 1989 की फिल्म 'परिंदा' में नाना ने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 1994 की 'क्रांतिवीर' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला।

कश्मीर के कुलगाम में 5 आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में पुलिस ने सेना की राष्ट्रीय राइफल्स और CRPF के साथ संयुक्त अभियान चलाकर पांच संदिग्ध आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई खेवान चडर इलाके में की गई। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 2 पिस्तौल, 3 मैगजीन, 9एमएम की 40 गोलियां और 3 ग्रेनेड जब्त किए गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ताजमुल हुसैन मीर, रहमत अली नाइकू, तेहरिम अहमद भट, मंजूर अहमद भट और किफायत अहमद डार के रूप में हुई है। ये सभी कुलगाम जिले के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ और मामले की आगे की जांच जारी है। जम्मू-कश्मीर में पिछले 45 दिनों में अब तक 16 आतंकियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े ओवरग्राउंड वर्कर नेटवर्क का खुलासा किया था। इस मामले में 14 सितंबर की शाम आतंकियों के तीन मददगारों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजौरी के कोटचरवाल तेरीयाथ निवासी जाकिर हुसैन और मोहम्मद आजम और उधन गांव निवासी मोहम्मद मुश्ताक के रूप में हुई हैजम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षाबलों ने सोमवार रात चेकिंग के दौरान 6 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया।

सरकार जल्द लाएगी एआई नियमन पर परामर्श पत्र

एक महीने में जारी करने की तैयारीः अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली,एजेंसी। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार एक महीने के भीतर कृत्रिम मेधा (एआई) के नियमन पर परामर्श पत्र जारी करेगी। इसमें एआई सुरक्षा, डीपफेक और मानव-केंद्रित दृष्टिकोण जैसे प्रमुख पहलुओं पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परामर्श पत्र एआई के नियमन के लिए बुनियाद का काम करेगा और अब समय आ गया है कि भारत में इस तरह की रूपरेखा तैयार की जाए। वैष्णव ने विश्व विकास रिपोर्ट जारी किए जाने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, मैं विभाग से अनुरोध करूंगा कि वह नियमन पर केंद्रित एक परामर्श पत्र लेकर आए, जिसमें सुरक्षा पर ध्यान दिया जाए। एआई के उपयोग से जुड़ी सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। उन्होंने कहा कि परामर्श पत्र में डीपफेक समेत एआई से होने वाले नुकसान , मानव-केंद्रित दृष्टिकोण और कौशल विकास जैसे विषय भी शामिल होंगे। वैष्णव ने डीपफेक को एक ऐसी परेशानी बताया जो समाज में बड़ी समस्याएं पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा कि डीपफेक की गुणवत्ता में हर दिन सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा, लोग उन पर विश्वास करते हैं और इससे पूरी तरह गलत परंपरा बनती है। यह पूरी तरह गलत धारणा पैदा करता है और लोगों को गलत काम करने तथा गलत बातों पर विश्वास करने के लिए उकसाता है। डीपफेक, कृत्रिम मेधा और श्डीप लर्निंगश् से बनाया गया ऐसा डिजिटल वीडियो, ऑडियो या छवि है।

300 सांसदों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन से रोका जा रहाः राहुल गांधी

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफविपक्ष का विरोध-प्रदर्शन लगातार दूसरे दिन जारी रहा। बुधवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की कोशिश के बाद गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी सांसदों के लिए लंच का आयोजन किया। इसके बाद राहुल गांधी, खरगे समेत इंडिया गठबंधन के कई सांसद बसों में सवार होकर राजघाट और गांधी स्मृति की ओर रवाना हुए। विपक्षी नेताओं ने कहा कि वे महात्मा गांधी की समाधि पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन और प्रार्थना करेंगे। पिछले दो दिनों में विपक्षी सांसदों के कार्यक्रम का पैटर्न लगभग एक जैसा रहा है। पहले सांसदों की बैठक और लंच हुआ, इसके बाद सभी बसों में सवार होकर प्रदर्शन स्थल की ओर रवाना हुए। बुधवार को उनका कार्यक्रम जंतर-मंतर पर था, जबकि गुरुवार को राजघाट को चुना गया। राजघाट के लिए रवाना होने से पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि लोकसभा और राज्यसभा के करीब 300 सांसद शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें लगातार दो दिनों से ऐसा करने से रोका जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि पहले दिन विपक्षी सांसदों को निर्वाचन आयोग के कार्यालय के बाहर रोक दिया गया। इसके बाद उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की कोशिश की, लेकिन वहां भी उन्हें अनुमति नहीं मिली। राहुल ने आरोप लगाया कि इस दौरान उनके साथियों के साथ मारपीट की गई। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में एक बार फिर 'वोट चोरी' का मुद्दा उठाया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर गंभीर आरोप लगाए। राहुल ने दावा किया कि विपक्ष इस मुद्दे को लेकर कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों पर आरोप लगाए जा रहे हैं, उन्हें कानून के तहत जवाबदेह बनाया जाएगा। राहुल ने इसे विपक्ष की जिम्मेदारी और गारंटी बताया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सांसद गांधी स्मारक जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वहां शांतिपूर्ण तरीके से धरना दिया जाएगा और सरकार को सद्बुद्धि देने के लिए प्रार्थना की जाएगी। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का नाम लेते हुए कहा कि विपक्ष चाहता है कि सरकार अपने फैसलों के प्रभाव पर विचार करे।

मंत्री परवेश वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट का नोटिस

नयी दिल्ली(एजेंसी)। हाई कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ता साहिब सिंह की याचिका पर दिल्ली पुलिस और दिल्ली सरकार के मंत्री परवेश साहिब सिंह वर्मा को नोटिस जारी किया है। साहिब सिंह ने आरोप लगाया है कि 27 सितंबर को पश्चिमी दिल्ली में सड़क निर्माण कार्य के निरीक्षण के दौरान मंत्री परवेश वर्मा ने उन्हें थप्पड़ मारा और उनके साथ मारपीट की। याचिका में उन्होंने घटना की स्वतंत्र जांच के साथ-साथ अपने और अपने परिवार के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग की है। मामले की सुनवाई जस्टिस सचिन दत्ता की अदालत में हुई। हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई नवंबर में तय की है। वहीं, प्रतिवादी की ओर से पेश वकील ने याचिका की सुनवाई योग्य होने पर ही सवाल उठाते हुए इसे मेंटेनेबल नहीं होने का तर्क दिया।

चुनाव आयोग के समर्थन में 42 पूर्व जजों का पत्र

अशांति को बढ़ावा और अराजक तत्वों के प्रोत्साहन का खतरा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश के 42 पूर्व न्यायाधीशों ने चुनावों की विश्वसनीयता और चुनाव आयोग समेत संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के कथित प्रयासों को लेकर चेतावनी दी है कि चुनावों को बदनाम करने की कोशिशों से अशांति को बढ़ावा मिल सकता है और अराजक तत्वों को प्रोत्साहन मिल सकता है। पूर्व न्यायाधीशों ने एक खुले पत्र में कहा कि बिना ठोस साक्ष्य के ''वोट चोरी'' के आरोप लगाने तथा संवैधानिक संस्थाओं को बार-बार ''चोर'' और ''समझौता कर चुके'' बताने से लोकतंत्र में जनता के विश्वास को नुकसान पहुंचने का खतरा है। उन्होंने कहा, ''संस्थाओं की आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, उन्हें बदनाम करना नहीं।'' पत्र में कहा गया कि भारत में करीब एक अरब मतदाता दस लाख से अधिक मतदान केंद्रों पर मतदान करते हैं और चुनाव आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 से अधिकार प्राप्त है। पूर्व न्यायाधीशों ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने निर्वाचन सूची को कार्यपालिका के नियंत्रण से बाहर रखते हुए इसकी जिम्मेदारी स्वतंत्र चुनाव आयोग को सौंपी थी। पूर्व न्यायाधीशों ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का बचाव करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा 21(3) चुनाव आयोग को किसी भी समय मतदाता सूचियों में संशोधन करने का अधिकार देती है। पत्र के अनुसार, आम चुनावों के बाद से कई बार गहन पुनरीक्षण किए जा चुके हैं और पिछला एसआईआर करीब दो दशक पहले हुआ था। पत्र में कहा गया कि एसआईआर का उद्देश्य मृत व्यक्तियों के नाम, दोहरी प्रविष्टियां और दूसरे स्थान पर जा चुके लोगों के नाम हटाना तथा सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल करना है। इसमें कहा गया कि पिछले दो दशकों में हुए पलायन और शहरीकरण के कारण मतदाता सूचियों में सुधार की जरूरत है और स्वच्छ मतदाता सूची प्रत्येक वास्तविक मतदाता के मत की रक्षा करती है।

बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में सीजेपी का प्रदर्शन

नयी दिल्ली(एजेंसी)। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में गुरुवार को एसआईआर को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से 'पीपुल्स ट्रिब्यूनल' आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अभिनेता प्रकाश राज, यूट्यूबर ध्रुव राठी और सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके समेत कई लोग शामिल हुए। आयोजकों के मुताबिक, कर्नाटक के अलग-अलग हिस्सों से ऐसे लोग भी कार्यक्रम में पहुंचे, जिन्होंने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाए जाने की शिकायत की है। कार्यक्रम के दौरान आयोजकों और प्रदर्शनकारियों की ओर से एसआईआर को लेकर विरोध जताया गया। रिपोर्टों के मुताबिक, प्रदर्शन में 'एसआईआर रद्द करो' और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग से जुड़े नारे भी सुनाई दिए। सीजेपी का कहना है कि एसआईआर के दौरान कथित तौर पर मतदाता सूची से गलत तरीके से हटाए गए नामों को बहाल किया जाना चाहिए।

17,000 फीट की ऊंचाई पर बिजली गिरी, विमान का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त; सभी यात्री सुरक्षित

पटना। बिहार की राजधानी पटना से उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ जा रही इंडिगो की उड़ान बुधवार को आसमानी बिजली की चपेट में आ गई। बिजली गिरने से विमान के अगले हिस्से को नुकसान पहुंचा। घटना के समय विमान करीब 17 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। स्थिति को देखते हुए विमान की लखनऊ हवाई अड्डे पर निर्धारित समय से करीब 15 मिनट पहले आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई925 ने बुधवार दोपहर 3 बजकर 10 मिनट पर पटना हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। विमान को शाम 4 बजकर 20 मिनट पर लखनऊ पहुंचना था। लखनऊ में उतरने की तैयारी के दौरान विमान आसमानी बिजली की चपेट में आ गया। इसके बाद पायलट ने स्थिति को संभालते हुए विमान को करीब 4 बजकर 05 मिनट पर लखनऊ हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया।आसमानी बिजली गिरने की घटना से विमान में सवार यात्रियों में कुछ समय के लिए दहशत फैल गई। हालांकि, पायलट और चालक दल ने स्थिति को नियंत्रित किया और विमान को सुरक्षित लखनऊ में उतार लिया। घटना में किसी यात्री के घायल होने की जानकारी नहीं है।

डिजिटल कनेक्टिविटी से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक : मोदी

यशोभूमि में आयोजित इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 10वें संस्करण को पीएम मोदी ने किया संबोधित

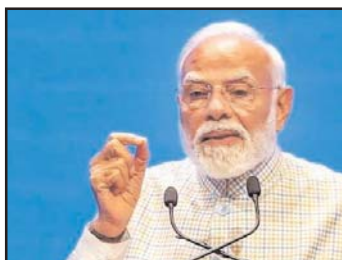

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकारी योजनाओं की राशि के वितरण में मोबाइल फोन और डिजिटल कनेक्टिविटी की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि इसके माध्यम से बड़ी मात्रा में सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों तक पहुंचाई जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस व्यवस्था से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है और सरकारी धन की बचत भी हुई है। दिल्ली के यशोभूमि में आयोजित इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 10वें संस्करण को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज सैकड़ों सरकारी सेवाएं मोबाइल फोन पर उपलब्ध हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ भी सीधे पात्र लोगों के बैंक खातों में पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि डीबीटी के माध्यम से सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचने से लगभग 5 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल माध्यम से सरकारी सहायता सीधे लोगों तक पहुंचाने की व्यवस्था से उन लोगों की अवैध कमाई बंद हुई है, जो पहले सरकारी योजनाओं में बिचौलिये की भूमिका निभाते थे। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग स्वाभाविक रूप से सरकार के इन कदमों से खुश नहीं होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने जनता का हक सीधे जनता तक पहुंचाने का संकल्प लिया था और वह इस दिशा में आगे भी दृढ़ता से काम करती रहेगी। उन्होंने कहा कि आलोचनाओं और विरोध के बावजूद सरकार डिजिटल माध्यमों के जरिए पारदर्शी तरीके से योजनाओं का लाभ पहुंचाने की व्यवस्था को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने डिजिटल इंडिया पहल को तकनीक के लोकतंत्रीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय तक डिजिटल विभाजन की चुनौती से जूझता रहा है। आधुनिक तकनीक और डिजिटल संसाधन उन लोगों के लिए विशेषाधिकार बन गए थे, जिनके पास उनका इस्तेमाल करने के साधन उपलब्ध थे। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया के माध्यम से सरकार ने इस स्थिति को बदलने का संकल्प लिया और मोबाइल फोन को इस परिवर्तन के केंद्र में रखा गया। मोबाइल और इंटरनेट की व्यापक पहुंच ने आम नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं तथा डिजिटल सुविधाओं तक पहुंच आसान की है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत में ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि करीब 10 वर्ष पहले देश में ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 6 करोड़ थी, जो अब बढ़कर 100 करोड़ हो गई है। सिंधिया ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे सस्ता मोबाइल डाटा उपलब्ध कराने वाले देशों में शामिल है। वर्तमान में देश में 1 जीबी डाटा की कीमत करीब 8 रुपये है। उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले 10 वर्षों में दूरसंचार और डिजिटल क्षेत्र में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, उन्हें दूसरे देशों को हासिल करने में कहीं अधिक समय लगा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोबाइल फोन और डिजिटल कनेक्टिविटी अब केवल संचार के साधन नहीं रह गए हैं, बल्कि वे सरकारी सेवाओं, कल्याणकारी योजनाओं और आर्थिक अवसरों को आम नागरिक तक पहुंचाने के महत्वपूर्ण माध्यम बन चुके हैं।

ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी की मांग, विपक्ष ने निकला जुलूस

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी कार्यालय से जुलूस निकालकर कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां उन्होंने नारेबाजी करते हुए जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की। लोकसभा सदस्य रामशंकर विद्यार्थी राजभर ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था जरूरी है। मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करना आयोग की जिम्मेदारी है।

सरकार विरोधी नारेबाजी

कांग्रेस जिलाध्यक्ष उमाशंकर पाठक ने कहा कि देश को टीएन शेषन जैसे चुनाव आयुक्त की जरूरत है, जिन्होंने निर्वाचन आयोग को दुनिया में नई पहचान दिलाई। आयोग को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए। पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का मत सर्वोपरि है। निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और मताधिकार की सुरक्षा हर लोकतांत्रिक व्यवस्था की प्राथमिकता होनी चाहिए। पूर्व मंत्री जियाउद्दीन रिजवी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है। विधायक जयप्रकाश अंचल ने कहा कि मतदाता सूची से लेकर मतदान तक हर प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए। सपा जिलाध्यक्ष सुनील कुमार मौर्य ने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर विपक्षी दलों के समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। नेताओं ने कहा कि मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। प्रदर्शन में पूर्व विधायक सुधीर राय, सच्चिदानंद तिवारी,मनोज गौतम, संजय उपाध्याय, ओमप्रकाश तिवारी, अशोक सिंह, बृजेश सिंह गाट, जैनेंद्र पांडेय मिंटू, शैलेश सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन बीरबल राम ने किया।

प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शन में भाकपा (माले) भी शामिल रही। इस दौरान माले नेता लक्ष्मण यादव ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने मतदाता सूची में एसआईआर के नाम पर वोट चोरी करवा कर यह सिद्ध कर दिया कि वे लोकतंत्र को नहीं बल्कि भाजपा को मजबूत बनाना चाह रहे हैं।

आंधी-पानी से अस्पताल की बत्ती 15 घंटे रही गायब मरीज हुए परेशान

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। जिले के सारनाथ स्थित सोवा रिग्पा अस्पताल में बुधवार रात आंधी-पानी से गुल बत्ती गुरुवार को 15 घंटे बाद चालू हुई। बिजली नहीं आने से वरिष्ठ डॉक्टर अपने केबिन में नहीं बैठे। जिसके कारण दिखाने आए मरीज वापस लौट गए। बुधवार रात आंधी-पानी में केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान और सोवा रिग्पा अस्पताल की बत्ती चली गई। तिब्बती संस्थान की बिजली थोड़ी देर बाद आ गई। उधर, 15 घंटे बाद भी सोवा रिग्पा अस्पताल की विद्युत आपूर्ति सामान्य नहीं हुई। जनरेटर भी नहीं चालू किया गया। नतीजा, कम्प्यूटर और अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण संचालित नहीं हो सके। मरीजों का रजिस्ट्रेशन न होने से वरिष्ठ डॉक्टर नहीं बैठे। इससे मरीजों की जांच प्रक्रिया ठप रही। मजबूरन उन्हें इलाज कराये बिना लौटना पड़ा। बिजली विभाग के अवर अभियंता राजकुमार ने कहा कि शक्तिपीठ स्थित विद्युत उपकेंद्र से विद्युत आपूर्ति सामान्य है। सोवा रिग्पा अस्पताल के प्रभारी डॉ. टाशी दावा ने बताया कि आंधी-पानी से बुधवार रात भूमिगत शार्ट सर्किट हो गया था।

चुनाव आयोग के खिलाफ सपा-कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

- **मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से इस्तीफे की मांग निष्पक्ष चुनाव कराने की उठी आवाज**

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश गुरुवार को सीतापुर में सड़कों पर दिखाई दिया। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के संयुक्त प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने उन पर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठाते हुए इस्तीफे की मांग की तथा आगामी चुनावों को पूरी तरह निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से कराने की मांग उठाई।प्रदर्शन का नेतृत्व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अनूप गुप्ता पूर्व जिलाध्यक्ष छत्रपाल यादव वर्तमान जिलाध्यक्ष शमीम कौशल पूर्व मंत्री रामहेतु भारती विधायक अनिल वर्मा और जसमीर अंसारी समेत जनपद के कई वरिष्ठ नेताओं ने किया। नेताओं के नेतृत्व में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और चुनाव आयोग के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में पार्टी के झंडे और विरोध संबंधी तख्तियां लेकर जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं का कहना था कि लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पर जनता का भरोसा सबसे महत्वपूर्ण है। इसलिए चुनाव आयोग को किसी भी राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर निष्पक्ष भूमिका निभानी चाहिए।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंकने का भी कई बार प्रयास किया। हालांकि पुलिस प्रशासन पहले से ही पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों से पुतला छीन लिया और उसे जलाने नहीं दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच पुतले को लेकर कई बार खींचतान की स्थिति भी बनी लेकिन पुलिस की सक्रियता के चलते प्रदर्शनकारी पुतला नहीं जला सके।

सपा नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव बेहद जरूरी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर विपक्षी दलों और आम जनता के बीच लगातार सवाल उठ रहे हैं। नेताओं ने मांग की कि चुनाव आयोग जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए पारदर्शिता सुनिश्चित करे और किसी भी प्रकार के दबाव में काम न करे।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी के चलते पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा।

प्रदर्शन के जरिए सपा और कांग्रेस ने एकजुट होकर चुनाव आयोग के खिलाफ अपना राजनीतिक विरोध दर्ज कराया। हजारों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने जनपद में विपक्षी दलों की सक्रियता का भी संदेश दिया।

जॉब सीकर नहीं, जॉब गिवर्स बनेगा भारत का युवा : नितिन नवीन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययनपीठ में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने देश के युवाओं (जेन-जी) के साथ सीधा संवाद किया। अपने दो दिवसीय काशी दौरे के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को नितिन नवीन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, ÷आज भारत में ढाई लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स हैं, जो युवाओं का अपना क्रिएशन हैं। भारत का युवा अब जॉब सीकर (नौकरी खोजने वाला) नहीं, बल्कि जॉब गिवर्स (नौकरी देने वाला) बनेगा और भारत दुनिया में एआई (ढ्ढ) का सबसे बड़ा हब बनकर उभरेगा।÷

कार्यक्रम में मौजूद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि युवा देश के लिए केवल वोट बैंक नहीं हैं, बल्कि वे देश की प्रगति का असली इंजन हैं।

छात्रों ने पूछे तीखे सवाल

संवाद के दौरान काशी विद्यापीठ के तृतीय वर्ष की छात्रा सृष्टि दुबे ने उच्च शिक्षा की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जब हम विकसित भारत की बात करते हैं, तो हायर एजुकेशन में छात्रों को सिर्फ डिग्री के लिए क्यों पढ़ाया जाता है? हमारे संपूर्ण विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के पास क्या योजना है? वहीं, एक अन्य छात्र ने सवाल किया कि भारत को विकसित बनाने के लिए 2047 का इंतजार क्यों, हम 2026 तक ही इसे विकसित क्यों नहीं बना सकते? क्या इसके लिए युवाओं के माइंडसेट को बदलने की जरूरत नहीं है?

काशी को आईटी हब बनाने का सुझाव

छात्रों के सवालों का जवाब देते हुए नितिन नवीन ने कहा कि हमें पीढ़ी के इस परिवर्तन को समझना होगा। उत्तर प्रदेश में नोएडा और लखनऊ की तरह अब काशी भी विकास की राह पर है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे काशी विश्वनाथ की नगरी को एक बड़ा आईटी हब (ढ्ढञ्र ॥ह्वड्ढ) बनाने का सुझाव सरकार को देंगे। उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया पर चल रहे फेक कंटेंट से सतर्क रहने, उसकी सच्चाई जानने और अपनी विरासत पर गर्व करने की अपील की।इससे पहले, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सुबह श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया और विशिष्टजनों के साथ बनारसी जलेबी-कचौड़ी का स्वाद लिया।

काशी के आसमान में पहली बार दिखेगी वायुसेना की ताकत

22 अक्तूबर से भव्य एयर शो की शुरुआत

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। भारतीय वायुसेना की 94वीं वर्षगांठ के ऐतिहासिक अवसर पर इस बार काशी के गंगा तट पर शौर्य और पराक्रम का अद्भुत रोमांच देखने को मिलेगा। मध्य वायु कमान द्वारा आगामी 22, 24 और 25 अक्तूबर 2026 को वाराणसी में पहली बार भव्य हवाई प्रदर्शन (द्वद्ध स्द्ध॰2) का आयोजन किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के जन संपर्क अधिकारी और विंग कमांडर देबार्थो धर के मुताबिक, इस आयोजन का काशी से भौगोलिक ही नहीं बल्कि करीब पांच दशक पुराना गहरा संस्थागत रिश्ता भी है। वाराणसी में जनवरी 1976 से संख्या-4 वायु सेना चयन बोर्ड कार्यरत है, जो पिछले 50 वर्षों से देश के युवाओं का परीक्षण कर उन्हें वायुसेना में अधिकारी बनने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। इसके साथ ही, प्रयागराज स्थित मध्य वायु कमान भी इस वर्ष अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूरे कर रही है। इस एरियल डिस्प्ले के दौरान मध्य वायु कमान के लड़ाकू विमान आसमान में अपनी पेशेवर दक्षता का परिचय देंगे। इस कमान का 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों से लेकर 1999 के कारगिल युद्ध (ऑपरेशन सफेद सागर) तक में बेहद महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा भुज भूकंप, उत्तराखंड त्रासदी और नेपाल भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं में भी इस कमान ने ऑपरेशन राहत और ऑपरेशन मेघ राहत के जरिए हजारों लोगों की जान बचाई है। गंगा के ऐतिहासिक घाटों की पृष्ठभूमि में होने वाला यह प्रदर्शन स्थानीय युवाओं के लिए भारतीय वायुसेना की कार्यप्रणाली और साहस को करीब से देखने का एक सुनहरा अवसर होगा।

डीएसएन कॉलेज में रोजगार मेले का आयोजन, 580 अभ्यर्थी शॉर्टलिस्ट

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से गुरुवार को डीएसएन (पीजी) कॉलेज में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में एक हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें 580 अभ्यर्थी शॉर्टलिस्ट एवं प्राथमिक रूप से चयनित किए गए। 20 से अधिक कंपनियों और संस्थानों ने युवाओं को दो हजार से अधिक रोजगार अवसरों की जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक प्रतिनिधि प्रखर गुप्ता ने किया। उन्होंने रोजगार मेलों को युवाओं तक रोजगार के अवसर पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बताया। जिला सेवायोजन अधिकारी प्रीति चंद्रा ने युवाओं से अपनी योग्यता और कौशल के अनुरूप उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने की अपील की। सहायक सेवायोजन अधिकारी आस्था सिन्हा ने रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी। मेले में भारतीय वायुसेना कानपुर चकेरी एयरमैन सिलेक्शन टीम, एलआईसी, काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स, जी4एस सिक्योर सॉल्यूशंस, एल एंड टी कंस्ट्रक्शन स्किल्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट समेत 20 से अधिक कंपनियों ने प्रतिभाग किया। सिक्योरिटी गार्ड, इलेक्ट्रिशियन, सुपरवाइजर, सेल्स एवं मार्केटिंग, फील्ड ऑफिसर, स्कैफोल्डर, वैन डिलीवरी एग्जीक्यूटिव और अन्य पदों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। मेले में अग्निवीर योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, अभ्युदय योजना समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। चयनित अभ्यर्थियों दीपक कुमार, आकाश, प्रभाकर गुप्ता, शोभित, मनीष और हर्षित को मंच से ऑफर लेटर प्रदान किए गए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हेमेंद्र सिंह सेंगर ने आयोजन को युवाओं के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी युवाओं को शिक्षा के साथ रोजगार एवं व्यावसायिक अवसरों से जोड़ना भी है।

मंत्री के निर्देश और एसपी की सख्ती के बाद खाद्यान्न प्रकरण में बड़ी कार्रवाई

20-20 हजार के इनामी आरोपी पति-पत्नी गिरफ्तार

- **रामकोट पुलिस ने रवि मिश्रा व मंजू मिश्रा को दबोचा खैराबाद सीएचसी में कराया चिकित्सीय परीक्षण इसके बाद अदालत में पेश किया गया।**

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। मिड-डे मील के खाद्यान्न से जुड़े चर्चित प्रकरण में रामकोट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 20-20 हजार रुपये के इनामी आरोपी पति-पत्नी रवि मिश्रा पुत्र दयाशंकर मिश्र एवं मंजू मिश्रा पत्नी रवि मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैराबाद में चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया जहां से न्यायालय के आदेश पर दोनों को जेल भेज दिया गया।

मंत्री मनोज पांडेय ने दिए थे कड़े निर्देश

खाद्यान्न प्रकरण को लेकर उत्तर प्रदेश शासन के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री मनोज पांडेय द्वारा अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए थे। शासन स्तर से मामले को गंभीरता से लिए जाने के बाद प्रशासनिक और पुलिस कार्रवाई तेज हुई।

10 सितंबर को दर्ज हुआ था मुकदमा

बताया गया कि रामकोट थाने में 10 सितंबर 2026 को मुकदमा संख्या 256/2026 दर्ज किया गया था। आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 तथा बीएनएस की धारा 316(5) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान खाद्यान्न से संबंधित सामग्री बरामद होने की बात सामने आई थी।

मामले को उस समय और चर्चा मिली जब आरोपी द्वारा कथित रूप से खाद्यान्न से संबंधित वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। इसके बाद प्रकरण पुलिस एवं प्रशासन के संज्ञान में आया।

20-20 हजार रुपये का घोषित था इनाम

मुकदमा दर्ज होने के बाद दोनों आरोपी काफी समय तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर रहे। पुलिस द्वारा लगातार दबिश दिए जाने के बावजूद गिरफ्तारी नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक सीतापुर द्वारा दोनों आरोपियों पर 20-20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

एसपी की सख्ती के बाद तेज हुई गिरफ्तारी की कार्रवाई

आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी को लेकर पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने दो दिन पूर्व संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कड़े निर्देश दिए थे। इसके बाद रामकोट पुलिस ने आरोपियों की तलाश में दबिश तेज की और दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत दोनों का चिकित्सीय परीक्षण कराया और फिर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया। अदालत ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया।

खाद्यान्न प्रकरण में पहले भी हो चुकी है विभागीय कार्रवाई

इस मामले में प्रशासनिक स्तर पर भी कार्रवाई की जा चुकी है। परसेंडी और बेहटा-सिधौली क्षेत्र के कई कोटेदारों तक मिड-डे मील का खाद्यान्न निर्धारित समय पर नहीं पहुंचने की बात जांच में सामने आई थी। आरोप था कि खाद्यान्न का उठान होने के बाद भी उसे निर्धारित स्थानों तक नहीं पहुंचाया गया।

प्रकरण में संबंधित तीन फर्मों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उन्हें ब्लैकलिस्ट किए जाने की जानकारी सामने आई थी। वहीं खाद्यान्न वितरण में कथित अनियमितता को लेकर जिला पूर्ति अधिकारी अखिलेश कुमार श्रीवास्तव तथा डिप्टी आरएमओ उदय प्रताप सिंह को हटाया गया जबकि संबंधित आपूर्ति एवं मार्केटिंग अधिकारियों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई भी की गई थी।

करोड़ों की संपत्ति और लेन-देन को लेकर भी उठे सवाल

मामले से जुड़े लोगों द्वारा रवि मिश्रा के संबंध में यह आरोप भी लगाए जा रहे हैं कि करीब चार वर्ष पहले वह लगभग आठ हजार रुपये मासिक वेतन पर खाद्यान्न ठेकेदार के यहां नौकरी करता था, लेकिन बाद में कुछ ही वर्षों में करोड़ों रुपये कीमत के मकान लग्जरी वाहन ट्रक और डीसीएम आदि संपत्तियां अर्जित कर लीं। इसके अलावा खाद्यान्न विभाग से जुड़े लोगों सहित अन्य व्यक्तियों से करोड़ों रुपये उधार लेने के आरोप भी सामने आए हैं।

30 मिनट की बारिश में सड़कें डूबीं, जलभराव से लोग परेशान

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। जनपद के वार्ड संख्या 94 स्थित छोहरा इलाके में गुरुवार को हुई कुछ देर की तेज बारिश ने जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। बारिश के बाद इलाके की सड़कों पर करीब डेढ़ से दो फीट तक पानी भर गया। अचानक हुए भारी जलभराव के कारण स्थानीय निवासियों के साथ-साथ राहगीरों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सड़क पर पानी का स्तर बढ़ने से लोगों को आवागमन के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा और कई लोगों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा। स्थानीय लोगों के मुताबिक, थोड़ी देर की बारिश में ही सड़कें जलमग्न हो जाती हैं, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित होता है। बारिश बंद होने के बाद भी काफी देर तक सड़कों पर पानी जमा रहा। जलभराव के कारण दोपहिया और चार पहिया वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। कई स्थानों पर सड़क और पानी का स्तर एक जैसा दिखाई देने के कारण वाहन चालकों को भी सावधानी से निकलना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान सबसे अधिक परेशानी पैदल आने-जाने वाले लोगों और स्कूली बच्चों को होती है। लंबे समय तक पानी जमा रहने से आसपास के घरों और दुकानों के सामने भी स्थिति असुविधाजनक हो जाती है। लोगों का कहना है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी आसानी से बाहर नहीं निकल पाता और बारिश थमने के बाद भी सड़कों पर जमा रहता है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि छोहरा इलाके में जलभराव की समस्या कोई नई नहीं है। थोड़ी देर की तेज बारिश होते ही यहां सड़कें पानी से भर जाती हैं और लोगों को घंटों परेशानी उठानी पड़ती है। लोगों ने संबंधित अधिकारियों से क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था की जांच कराने, नालियों की नियमित सफाई कराने और बारिश के पानी की निकासी के लिए स्थायी व्यवस्था किए जाने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वाराणसी में छोहरा समेत कई अन्य इलाकों में भी बारिश के बाद जलभराव की समस्या सामने आती रही है। ऐसे में बारिश के मौसम से पहले नालियों और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाना जरूरी है, ताकि हर बार बारिश के बाद लोगों को इसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बछरावां व लालगंज बाईपास को लेकर उद्यान मंत्री ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का जताया आभार

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

रायबरेली। प्रदेश के उद्यान, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात दिनेश प्रताप सिंह ने बछरावां बाईपास एवं लालगंज बाईपास को लेकर भारत सरकार के सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया है। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि बाईपास निर्माण को लेकर स्थानीय स्तर पर उत्पन्न भ्रम और अवरोध की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने गडकरी से मुलाकात की। मुलाकात में केंद्रीय मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को जनसभा में घोषित विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उद्यान मंत्री ने कहा कि बछरावां एवं लालगंज बाईपास के निर्माण से क्षेत्र के विकास और आवागमन को गति मिलेगी। रायबरेली की जनता की सेवा और विकास ही उनका लक्ष्य है और जनहित के लिए वे निरंतर पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करते रहेंगे।

सपा-कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का फूंका पुतला

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद में समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ भी नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने कलक्ट्रेट गेट पर ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका। सपा कार्यकर्ताओं ने शहर के अलग-अलग स्थानों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और ज्ञानेश कुमार के पुतले भी फूंके।

सपा कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कलक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान पुतला फूंकने को लेकर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच कई बार तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस पुतले छीनने की कोशिश करती रही, जबकि कार्यकर्ता पुलिस को चकमा देकर भाग गए। कलक्ट्रेट पहुंचने के बाद सपा कार्यकर्ता ज्ञापन देने के लिए आगे बढ़े तो एसडीएम की अगुवाई में कलक्ट्रेट गेट बंद कर दिया गया। इससे कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया और कुछ कार्यकर्ता गेट पर चढ़ गए। काफी देर तक नारेबाजी और धक्का-मुक्की के बाद गेट खोला गया। इसके बाद एडीएम ने मौके पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं से ज्ञापन लिया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी कलक्ट्रेट गेट पर प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रसव के दौरान गैर पंजीकृत अस्पताल में महिला की हुई मौत

पति ने लापरवाही का लगाया आरोप

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी में पसगवां क्षेत्र के गांव मुकद्दरपुर स्थित गैर पंजीकृत आरएमएस हॉस्पिटल एंड मेडिकल सेंटर पर प्रसव के दौरान महिला प्रसूता की मौत का मामला प्रकाश में आया है। मृतका 29 वर्षीय रूबी देवी पत्नी रजनीश निवासी ग्राम रामापुर, कोतवाली पसगवां की रहने वाली थी। पति रजनीश ने बताया कि वह बुधवार रात पत्नी को प्रसव के लिए मुकद्दरपुर स्थित आरएमएस हॉस्पिटल लेकर पहुंचा था। जहां रूबी ने नॉर्मल डिलीवरी से बेटी को जन्म दिया। कुछ देर बाद रूबी को असहनीय पीड़ा शुरू हो गई। हॉस्पिटल संचालक ने दर्द निवारक इंजेक्शन लगाए, लेकिन आराम के बजाय हालत बिगड़ने लगी। इसके बाद उसे निजी वाहन से जिला अस्पताल शाहजहांपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रूबी की मौत के बाद पति रजनीश एंबुलेंस में शव लेकर अपने गांव रामापुर न जाकर वापस आरएमएस हॉस्पिटल मुकद्दरपुर पहुंचा और शव को एंबुलेंस में ही रखकर हॉस्पिटल गेट पर हंगामा करने लगा। मौके पर ग्रामीण, परिजन और रिश्तेदारों की भीड़ जुट गई। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो में रजनीश ने आरोप लगाया कि अस्पताल संचालक सीएचसी पसगवां में एएनएम पद पर भी तैनात है और उसकी लापरवाही से ही पत्नी की मौत हुई है। रजनीश मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है। उसका एक बेटा और अब नवजात बेटी है। गुरुवार सुबह रजनीश ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा कोतवाली पसगवां पहुंचकर लिखित सूचना दी और हॉस्पिटल संचालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पंचकूला क्षेत्र में गैर पंजीकृत वालों की संख्या अधिक होने के कारण स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई सवालों के घेरे में है। यह अस्पताल लगातार मरीजों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे है।

एसएचओ पसगवां जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला की मौत की सूचना मिली थी, लेकिन शाम तक दोनों पक्षों में समझौता हो गया। परिजनों ने पोस्टमार्टम और विधिक कार्रवाई से इनकार कर दिया है।

ट्यूशन पढ़ाने आने वाले युवक से बातचीत को लेकर घर में हुई चर्चा के बाद बीए छात्रा ने लगाई फांसी

- **रामकोट केदारानगर-मधवापुर का मामला; आरएमपी डिग्री कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा थी लड़की पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा**

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। थाना रामकोट क्षेत्र की ग्राम पंचायत दारानगर के मजरा मधवापुर में बुधवार शाम 18 वर्षीय लड़की ने घर में फांसी लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका आरएमपी डिग्री कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। मृतका की पहचान सुरक्षित रखने के लिए समाचार में उसका नाम काल्पनिक नाम 'नेहा' रखा गया है। सूत्रों के अनुसार घटना से पहले घर में किसी बात को लेकर लड़की को परिजनों द्वारा समझाया गया था। इसी दौरान परसेहरा निवासी एक युवक जो कथित रूप से लड़की को ट्यूशन पढ़ाने के लिए आता था, उससे बातचीत को लेकर घर में चर्चा होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि लड़की के मोबाइल फोन की जांच के दौरान कुछ लंबी अवधि की फोन बातचीत का विवरण भी सामने आया है। हालांकि इन बातचीत और लड़की द्वारा उठाए गए आत्मघाती कदम के बीच क्या संबंध है इसकी अभी पुलिस जांच से पुष्टि नहीं हुई है।

विवेचना के लिए परिजनों को थाने बुलाया

घटना के बाद पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा लड़की के परिजनों को पूछताछ एवं घटना से संबंधित आवश्यक जानकारी के लिए थाने बुलाया गया है। पुलिस परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज कर घटना के विभिन्न पहलुओं की जानकारी जुटा रही है।

संक्षिप्त समाचार

पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास में संतुलन जरूरी : मुख्य सचिव एस.पी. गोयल

लखनऊ एजेंसी। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल से वर्ष 2024 बैच के भारतीय वन सेवा के पांच प्रशिक्षु अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्य सचिव ने प्रशिक्षु अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ प्रदेश की सेवा करने का आह्वान किया।मुख्य सचिव ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक अधिकारी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ करना चाहिए। उन्होंने टीम भावना के साथ कार्य करने और विभागीय समन्वय को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया।उन्होंने पर्यावरण एवं वन संरक्षण से जुड़े कार्यों में आधुनिक तकनीक के अधिकतम उपयोग की आवश्यकता बताते हुए पौधरोपण को बढ़ावा देने, वन क्षेत्रों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा में जनभागीदारी बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।मुख्य सचिव ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ विकास कार्यों में संतुलन बनाए रखना वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। वन एवं पर्यावरण से जुड़े कार्यों में दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाते हुए विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच समुचित संतुलन स्थापित किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि अच्छा शासन वही है, जिसमें निर्णय पारदर्शी हों, कार्यों में जवाबदेही हो और आम नागरिकों को सरकारी सेवाओं का लाभ बिना किसी अनावश्यक कठिनाई के मिले। इस अवसर पर वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

सोशल ऑडिट को और प्रभावी बनाने के निर्देश, अन्य विभागों की योजनाएं भी होंगी दायरे में

लखनऊ एजेंसी। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में सोशल ऑडिट संगठन की गवर्निंग बॉडी की 12वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में सोशल ऑडिट की प्रगति, गुणवत्ता में सुधार और विभिन्न विभागों की योजनाओं को सोशल ऑडिट के दायरे में लाने समेत कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।मुख्य सचिव ने सोशल ऑडिट को अधिक प्रभावी और सुदृढ़ बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि इसकी गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जाए। उन्होंने कहा कि सोशल ऑडिट का उद्देश्य सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। सोशल ऑडिट से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी उन्होंने विशेष जोर दिया।प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास सौरभ बाबू ने बताया कि अन्य विभागों की योजनाओं को सोशल ऑडिट के दायरे में लाने की पहल से योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। इससे सोशल ऑडिट निदेशालय भी और अधिक सुदृढ़ होगा। इस पर मुख्य सचिव ने अन्य विभागों की योजनाओं का सोशल ऑडिट कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।बैठक में सोशल ऑडिट की गुणवत्ता बढ़ाने, डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग, विभिन्न योजनाओं को इसके दायरे में लाने और सोशल ऑडिट से सामने आने वाले निष्कर्षों के आधार पर प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई। निदेशक, सोशल ऑडिट ने गवर्निंग बॉडी को वर्तमान प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि निदेशालय की ओर से मनरेगा के साथ राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम का भी सोशल ऑडिट कराया जा रहा है। इसके अलावा समग्र शिक्षा योजना का सोशल ऑडिट भी जल्द शुरू किया जाएगा।बैठक में बताया गया कि मनरेगा के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 56,736 ग्राम पंचायतों का सोशल ऑडिट पूरा कराया गया। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 14,612 ग्राम पंचायतों का सोशल ऑडिट पूरा हो चुका है। इनमें 9,642 ग्राम पंचायतों का सोशल ऑडिट पंचायत निर्णय ऐप के माध्यम से डिजिटल रूप में कराया गया है। इसी तरह वित्तीय वर्ष 2026-27 में राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत 10 जिलों और दिव्यांग पेंशन योजना के तहत 18 जिलों में सोशल ऑडिट की प्रक्रिया चल रही है। बैठक में प्रधान महालेखाकार, आयुक्त ग्राम्य विकास समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

महिगवां में अवैध शराब बेचते व्यक्ति गिरफ्तार, 24 पाउच और 230 रुपये बरामद

लखनऊ एजेंसी। महिगवां थाना पुलिस ने गुरुवार को गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर नहर की पटरी के पास अवैध रूप से देशी शराब बेच रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान शिव कुमार (50) निवासी रमपुरवा, ग्राम पंचायत कुम्हरावां, थाना महिगवां के रूप में हुई है।पुलिस के मुताबिक कन्हईपुर शराब ठेके से पलाखर गांव की ओर जाने वाली नहर की पटरी के पास शिव कुमार देशी शराब बेच रहा था।

पंडित दीनदयाल के विचारों को जीवन में करें आत्मसात: ब्रजेश पाठक

उप मुख्यमंत्री ने दीनदयाल धाम में आयोजित विराट किसान एवं युवा सम्मेलन को किया संबोधित

मथुरा/लखनऊ। जनपद मथुरा के फरह स्थित दीनदयाल धाम में अंत्योदय एवं एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता और प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति में आयोजित चार दिवसीय 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला-2026' के अंतर्गत आयोजित विराट किसान एवं युवा सम्मेलन को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संबोधित किया। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को नमन करते हुए उनके विचारों और सिद्धांतों को वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कहा कि उनके विचारों को हमें अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, सनातन संस्कृति, अंत्योदय और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल जी के सिद्धांतों को केवल पढ़ना या सुनना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अपने जीवन और आचरण में आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सनातन संस्कृति और राष्ट्रवाद के ध्वज को सदैव ऊंचा रखा। उनका चिंतन भारत की मूल सांस्कृतिक चेतना से जुड़ा था। 'एकात्म मानव दर्शन' और 'अंत्योदय' के माध्यम से उन्होंने विकास की ऐसी अवधारणा प्रस्तुत की, जिसमें समाज के अंतिम व्यक्ति की चिंता को केंद्र में रखा गया।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का चिंतन केवल भारत तक सीमित नहीं है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना से प्रेरित उनका दर्शन मानवता के कल्याण और समरस समाज की स्थापना का संदेश देता है। आज दुनिया भारत की सांस्कृतिक विरासत और मानवीय मूल्यों की ओर आशा की दृष्टि से देख रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारत माता की कीर्ति और भारतीय विचारधारा को विश्व पटल पर प्रतिष्ठित करने का कार्य किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि किसान और युवा भारत की विकास यात्रा के दो महत्वपूर्ण आधार हैं। हमारे अन्नदाता किसान देश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं, वहीं देश का युवा अपनी प्रतिभा, ऊर्जा और नवाचार के माध्यम से भारत के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर रहा है। किसानों की समृद्धि और युवाओं को अवसर प्रदान करना विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। अंत्योदय, आत्मनिर्भरता, सामाजिक समरसता और राष्ट्र प्रथम की उनकी भावना को आत्मसात करते हुए हम विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं।

उन्होंने कहा कि दीनदयाल धाम में आयोजित यह मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग पूरे वर्ष इस मेले का इंतजार करते हैं। मेले का लगातार विस्तार और इसमें बढ़ती जनभागीदारी यह दर्शाती है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों और उनकी स्मृतियों से आमजन का गहरा जुड़ाव है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि दीनदयाल धाम की यह पावन भूमि हमें सेवा, समर्पण, अंत्योदय और राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। हमें संकल्प लेना चाहिए कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ और सम्मान पहुंचे तथा किसान और युवा देश की प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक दिनेश जी, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी, जिला पंचायत मथुरा के अध्यक्ष किशन चौधरी, मेला समिति के अध्यक्ष सोहनलाल, मेला समिति के मंत्री मनीष अग्रवाल, मेला समिति के कोषाध्यक्ष एवं सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मथुरा के प्रबंधक नरेंद्र पाठक सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

खाद्य प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम के दस वर्ष पूरे, उत्कृष्ट विद्यार्थियों को किया सम्मानित

लखनऊ एजेंसी। राजकीय खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लखनऊ में एमएससी खाद्य प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम के दस वर्ष पूरे होने पर बुधवार को समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पूर्व विद्यार्थियों को सम्मानित करने के साथ नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। समारोह में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता की संभावनाओं पर जोर दिया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा रहे। विशेष सचिव राजकमल यादव, संयुक्त निदेशक (प्रशासन) डॉ. सृष्टि धवन, संयुक्त निदेशक डॉ. सर्वेश कुमार और खाद्य प्रसंस्करण के संयुक्त निदेशक डॉ. महिपाल सिंह की भी उपस्थिति रही।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने संदेश में पाठ्यक्रम के दस वर्ष पूरे होने पर संस्थान के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान, तकनीकी दक्षता और नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका है। उत्तर प्रदेश में कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और आधुनिक तकनीकों के उपयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। ऐसे में खाद्य प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ युवाओं की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों को अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता से जोड़कर खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में नई संभावनाओं पर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण खाद्य प्रसंस्करण से कृषि उत्पादों का बेहतर मूल्य संवर्धन होगा। इससे किसानों की आय बढ़ाने, रोजगार के नए अवसर पैदा करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि संस्थान आने वाले वर्षों में कुशल मानव संसाधन तैयार करने और नवाचार को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न बैचों के उत्कृष्ट विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि संस्थान की दस वर्ष की शैक्षणिक यात्रा उपलब्धियों और अनुभवों से समृद्ध रही है। यह आयोजन पूर्व और वर्तमान विद्यार्थियों को जोड़ने के साथ नई पीढ़ी को बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करने का अवसर भी है।समारोह में एमएससी खाद्य प्रौद्योगिकी के विभिन्न बैचों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इनमें बैच 2015-17 की प्रथम कॉलेज टॉपर आकांक्षा सोनी, बैच 2017-19 के ईशान फारूकी, बैच 2018-20 की प्रथम गोल्ड मेडलिस्ट सौम्या अविरल मिश्रा, बैच 2020-22 की कामिनी यादव, बैच 2021-23 की निष्ठा मिश्रा और बैच 2022-24 की कॉलेज टॉपर दिव्या सिंह शामिल रहीं। अतिथियों ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें शोध, तकनीकी दक्षता और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।समारोह में संस्थान के शिक्षक एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। इनमें माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. राम राखा, मुख्य अनुदेशक डॉ. हरीश कुमार और बायोकेमिस्ट्री विशेषज्ञ मनोज कुमार प्रचेता सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल रहे।कार्यक्रम के दूसरे चरण में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ्रेशर पार्टी आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। वरिष्ठ विद्यार्थियों ने नवागंतुकों का स्वागत करते हुए उन्हें संस्थान की शैक्षणिक परंपराओं, अनुशासन और उपलब्धियों से परिचित कराया। समारोह के अंत में आयोजकों ने अतिथियों, विभागीय अधिकारियों, शिक्षकों, पूर्व विद्यार्थियों, वर्तमान विद्यार्थियों और आयोजन में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कुटौंद शाखा नहर के पुनर्स्थापना से 1320 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र को सिंचाई सुविधा

लखनऊ एजेंसी। बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और किसानों को पर्याप्त जल उपलब्ध कराने के लिए कुटौंद शाखा नहर के पुनर्स्थापना कार्य से किसानों को राहत मिली है। बेतवा नहर प्रखंड द्वितीय, उरई के अंतर्गत कुटौंद शाखा के किलोमीटर 45.000 से 105.210 तक कराए गए पुनर्स्थापना कार्य से नहर की जल वहन क्षमता और प्रवाह व्यवस्था में सुधार हुआ है। परियोजना का प्रमुख उद्देश्य नहर के टेल भाग तक सुगमता से पानी पहुंचाना और किसानों को भरोसेमंद सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना है।वर्ष 2025-26 में प्रस्तावित इस परियोजना के पूरा होने से कुटौंद शाखा नहर के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान हुआ है। पहले टेल भाग तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंचने के कारण बड़ी संख्या में किसानों को सिंचाई के लिए वैकल्पिक साधनों पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे खेती की लागत बढ़ने के साथ फसल उत्पादन भी प्रभावित होता था। नहर की क्षमता और प्रवाह व्यवस्था बेहतर होने से अब टेल क्षेत्र के किसानों को निर्धारित मात्रा में सिंचाई जल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम लगभग 1320 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र को सिंचाई सुविधा का मिलना है। इससे सीमित जल सुविधा वाले खेतों को भी नहर का पानी उपलब्ध हो सकेगा। बुंदेलखंड में वर्षा की अनिश्चितता के बीच नहर आधारित सिंचाई किसानों के लिए भरोसेमंद जल स्रोत उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे खेती की वर्षा पर निर्भरता कम होने और कृषि गतिविधियों को स्थायित्व मिलने की उम्मीद है।कुटौंद शाखा नहर की पुनर्स्थापना से करीब 250 गांवों के 60,954 किसान लाभान्वित होंगे। पर्याप्त सिंचाई सुविधा मिलने से किसानों के सामने फसल चयन के अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे और वे स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार बेहतर फसलों का चयन कर सकेंगे। सिंचाई का दायरा बढ़ने से फसल उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार के साथ किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। कृषि उत्पादन बढ़ने का असर खेती से जुड़े श्रमिकों, कृषि यंत्र संचालन, परिवहन, भंडारण और अन्य ग्रामीण व्यवसायों पर भी पड़ने की उम्मीद है।बुंदेलखंड में जल संरक्षण और सिंचाई सुविधाओं का विस्तार प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और वर्षा की अनिश्चितता को देखते हुए नहर प्रणालियों का रखरखाव, पुनर्स्थापना और क्षमता वृद्धि महत्वपूर्ण है। कुटौंद शाखा नहर का पुनर्स्थापना कार्य इसी दिशा में उठाया गया कदम है। नहर की कार्यक्षमता बढ़ने से उपलब्ध जल का अधिक प्रभावी उपयोग होने के साथ भूजल पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिल सकती है।कुटौंद शाखा के किलोमीटर 45.000 से 105.210 तक पुनर्स्थापना कार्य पूरा होने के बाद अतिरिक्त सिंचाई क्षेत्र बढ़ा है और करीब 250 गांवों के किसानों को इसका लाभ मिलने की स्थिति बनी है। इससे कृषि उत्पादन, किसानों की आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। नहर के टेल तक पानी पहुंचने से उन किसानों को विशेष राहत मिलेगी, जिनकी खेती लंबे समय से पर्याप्त सिंचाई सुविधा के अभाव में प्रभावित होती रही है। परियोजना से झांसी-जालौन क्षेत्र में कृषि गतिविधियों को गति मिलने और बुंदेलखंड में सिंचाई व्यवस्था को अधिक मजबूत आधार मिलने की संभावना है।

बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना राष्ट्रीय लोकदल की प्राथमिकता : त्रिलोक त्यागी

लखनऊ एजेंसी। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मुख्यालय में गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह की अध्यक्षता में कार्यकर्ता बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान प्रदेश संगठन की गतिविधियों, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, सदस्यता अभियान और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।बैठक को संबोधित करते हुए त्रिलोक त्यागी ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर पूर्वांचल तक राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकर्ताओं में उत्साह और ऊर्जा दिखाई दे रही है। कार्यकर्ताओं की सक्रियता से स्पष्ट है कि पार्टी की विचारधारा को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने किसानों, मजदूरों, ग्रामीण समाज और आम आदमी के हितों को राजनीति के केंद्र में स्थापित किया था। राष्ट्रीय लोकदल उसी विचारधारा और मूल्यों को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह के नेतृत्व में संगठन को मजबूत और व्यापक बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकर्ता होते हैं। कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद, उनकी समस्याओं को समझना और उनके सुझावों को संगठनात्मक निर्णयों में उचित महत्व देना जरूरी है। संगठन की ताकत केवल जिला, विधानसभा या मंडल स्तर तक सीमित नहीं हो सकती। उसकी वास्तविक मजबूती बूथ स्तर पर सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ताओं से होती है।त्यागी ने पदाधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित बैठकें करने और जनता से सीधा संवाद स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांव, कस्बों और शहरों में लोगों के बीच पहुंचकर स्थानीय समस्याओं को समझना और उन्हें संगठन के माध्यम से प्रभावी ढंग से उठाना प्राथमिकता होनी चाहिए। आने वाले समय में संगठन को और अधिक सक्रिय एवं

व्यापक बनाने के लिए सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास किए जाएंगे।प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी ताकत हैं। प्रदेश के सभी क्षेत्रों में संगठन को सक्रिय करने और कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के सुझावों को संगठनात्मक स्तर पर उचित महत्व दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल की विचारधारा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। युवाओं, किसानों, महिलाओं और श्रमिकों के साथ संवाद बढ़ाकर उन्हें संगठन से जोड़ने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय, अनुशासन और पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करने का आह्वान किया।कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अनुपम मिश्रा ने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना प्रदेश संगठन की प्राथमिकता है। प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन से जोड़ने और उसकी भूमिका को प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले समय में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक और संवाद का सिलसिला और तेज किया जाएगा।

रामविलास पासवान सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर थे : ए.के. शर्मा

लखनऊ एजेंसी। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पद्मभूषण रामविलास पासवान की पुण्यतिथि पर मधुबन, मऊ में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने रामविलास पासवान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और सामाजिक न्याय, समानता तथा जनसेवा के प्रति उनके समर्पित जीवन को याद किया।ए.के. शर्मा ने कहा कि रामविलास पासवान सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर और लोकतांत्रिक मूल्यों में गहरी आस्था रखने वाले जननेता थे। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और वंचित, गरीब तथा कमजोर वर्गों के हितों के लिए लगातार काम किया। उनका जीवन समानता, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता रहेगा।उन्होंने कहा कि रामविलास पासवान की पुण्यतिथि केवल उन्हें याद करने का अवसर नहीं, बल्कि गरीबों की सेवा करने और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के संकल्प को दोहराने का दिन भी है। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों ने लंबे समय तक गरीबी हटाने का नारा दिया, लेकिन गरीबों को गरीबी की रेखा से बाहर निकालने के लिए जिस व्यापक और समग्र दृष्टिकोण की जरूरत थी, उस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रभावी कार्य हुआ है।

बाढ़ के बीच सातवें दिन भी राहत अभियान जारी, डॉ. बोरा ने की धैर्य-संयम की अपील

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ। फैजुल्लागंज में बाढ़ के बीच राहत अभियान के सातवें दिन क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, रक्षामंत्री के विशेष कार्याधिकारी के.पी. सिंह एवं जनसंपर्क अधिकारी पुष्कर शुक्ला ने बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने लोगों से धैर्य एवं संयम बनाए रखने तथा किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की। राहत अभियान के तहत मथुरा विहार, सावित्री नगर, लोहरामऊ, ऊंचा टीला, शिव शक्ति नगर एवं राम विहार में प्रभावित परिवारों को राशन सामग्री, पका हुआ भोजन एवं पेयजल उपलब्ध कराया गया। विधायक डॉ. बोरा के नेतृत्व में गठित राहत टीम ने नाव के माध्यम से बाढ़ प्रभावित अलग-अलग कॉलोनियों में पहुंचकर लोगों को राशन सामग्री एवं पानी की बोतलें भी वितरित कीं।डॉ. बोरा ने कहा कि संकट की इस घड़ी में फैजुल्लागंजवासियों के साथ वे स्वयं, उनकी टीम और कार्यकर्ता निरंतर खड़े हैं। हर प्रभावित परिवारों तक अधिक से अधिक राहत एवं बचाव सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन भी अपने स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है।उन्होंने कहा कि यह प्राकृतिक आपदा है, इसलिए लोग घबराएं नहीं और किसी भी अपुष्ट सूचना पर विश्वास न करें। राहत, भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रभावित परिवारों तक पहुंचाने का कार्य निरंतर जारी रहेगा।उन्होंने कहा कि राहत टीम प्रत्येक प्रभावित परिवार तक हरसंभव सहायता पहुंचने तक अभियान जारी रखेगी।राहत सामग्री वितरण टीम में सतीश वर्मा,लवकेश सिंह, मनीष बाजपेई, शिवम श्रीवास्तव, बबलू चौधरी, शैलेंद्र मौर्य, आदित्य गौड़, शैलेंद्र स्वर्णकार सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

सपा ने लखनऊ में निकाला वोट बचाओ-देश बचाओ मार्च, मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पुतले फूंके

लखनऊ एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 2 से 8 अक्टूबर तक चल रहे 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' और 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत गुरुवार को लखनऊ में पार्टी कार्यकर्ताओं ने मार्च निकाला। जिला कार्यालय से जिलाधिकारी कार्यालय तक निकाले गए मार्च में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, सांसद, विधायक, पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। मार्च का नेतृत्व जिलाध्यक्ष जयसिंह 'जयन्त' और जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान ने किया।मार्च के कलेक्ट्रेट पहुंचने पर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 का सार्वजनिक रूप से वाचन किया गया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ और प्रदर्शनकारियों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के चार पुतलों का दहन किया। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। सपा के प्रदेश और जिला स्तर के नेता पहले भी इस अभियान के तहत मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग उठा चुके हैं।मार्च में सांसद आरके चौधरी, विधायक रविदास मेहरोत्रा, राष्ट्रीय सचिव चौधरी जगदीप सिंह यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, पूर्व मंत्री सलाउद्दीन सिद्दीकी, रामसिंह राणा, निर्मल सिंह, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला सभा जूही सिंह, पूर्व विधायक गोमती यादव, राजेन्द्र यादव और अम्ब्रीष सिंह पुष्कर समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनके अलावा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय बहादुर यादव, ब्लॉक प्रमुख ऊषा सेन, प्रदेश सचिव विजय सिंह यादव, प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता सभा सिकन्दर यादव, जिला उपाध्यक्ष रामनरेश पाल, विधानसभा अध्यक्ष उमाशंकर वर्मा, छात्र नेता महेन्द्र यादव और विभिन्न फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारी भी मार्च में शामिल हुए।सपा की ओर से 2 से 8 अक्टूबर तक चलाए जा रहे इस अभियान में जिला, विधानसभा और ब्लॉक स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पार्टी का कहना है कि अभियान का उद्देश्य मताधिकार और लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर जनजागरूकता बढ़ाना तथा चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को मजबूती से उठाना है।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / पी0एस0, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट / जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य / उ0रे0
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	PARKING-LKO-PRG-MX-189-26-1 (Parking - Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.09.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	15.10.2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	15.10.2026 समय 11:30 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3493/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर / निर्माण–II, उत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफॉर्मा पर **खुली ई–निविदाएँ दो पैकेट** में आमंत्रित की जाती हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में जौनपुर जंक्शन–लोहता (JNH-LOT) खंड में कि.मी. 778 से कि.मी. 847 के मध्य, आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित ड्रॉइंग के अनुसार प्रीकास्ट बाउंड्री वॉल के रूप में सुरक्षा बाड़ तथा मेटल बीम क्रैश बैरियर का निर्माण।
2	कार्य पूरा करने की अवधि	12 (बारह) माह
3	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 5,637.36 लाख
4	धरोहर राशि	रु. 1,12,74,700 / –मात्र
5	प्री बिड कॉन्फ्रेंस	बिड पूर्व पूछताछ प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनांक 13.10.2026 प्री बिड मीटिंग – दिनांक 12.10.2026 समय 11.30 बजे से 13.30 बजे तक रेलवे द्वारा बिड पूर्व प्रश्नों के उत्तर की तिथि–दिनांक 15.10.2026 स्थान– कार्यालय मुख्य परियोजना प्रबंधक, द्वितीय तल, वाराणसी कैंट स्टेशन, वाराणसी–221002 एवं आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** ऑनलाइन वीसी लिंक के माध्यम से भी।
6	ई निविदा जमा करने की तारीख / समय एवं निविदा खुलने की तारीख	निविदाएँ दिनाँक **30.10.2026** को 15.00 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की जा सकती है तथा दिनाँक **31.10.2026** को समय 15.00 बजे खोली जाएगी।
7	विस्तृत निविदा सूचना व प्रपत्र	विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र दिनाँक **08.10.2026** से आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध रहेंगें व दिनाँक **16.10.2026** से **30.10.2026** तक ई–निविदा अपलोड की जा सकती है।

सं–18–टेण्डर / उपमुइंजी / नि.–II/वाराणसी

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3478/26

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता सी०एण्डडब्ल्यू० लखनऊ के द्वारा ई टेंडर संख्या 304-Mech-CW-ICD-VB-BSB-26 के अंतर्गत एकल निविदा आमंत्रित की जाती हैं। जिसके बंद होने की तिथि व समय 29.10.2026, 15:00 है जो उसी दिन 15:30 बजे वैबसाइट पर खोले जाएगे। इस टेंडर के अन्तर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नहीं होंगें। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in**पर उपलब्ध है। टेन्डर ध्यान दें कि निविदा मूल्य (जैसा IREPS पर प्रावधान हो) का भुगतान वह केवल through online payment mode जो की ireps पर उपलब्ध है जैसे की नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ही स्वीकार्य है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, जमा रशीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं है।

कार्य का नाम	कम्प्रेहेन्सिव एनुअल मेन्टेनेन्स कान्ट्रैक्ट (ट्रिप, मन्थली एण्ड क्वाटर्ली) एण्ड प्रोविजन आफ सप्लाई एण्ड रिपलेसमेन्ट ऑफ कन्डीशन बेस्ड स्पेयर पार्टस फॉर आइसी डोर्स ऑफ मेक मेसर्स प्राग पोलिमर्स फिटेड इन वंदे भारत रेक्स 68, 65, 67 एण्ड 60 ऐट बीएसबी कोचिंग डिपो, नॉर्दन रेलवे फॉर ए पीरियड ऑफ 02 इयर्स।		
निविदा टाइप	एकल निविदा	बिडिंग स्टाइल	सिंगल बिड सिस्टम
निविदा बन्द होने की दिनांक एवं समय	29.10.2026 15:00 बजे	अपलोडिंग दिनांक	09.10.2026
प्री–बिड येस / नो	नो	प्री बिड कुएरी डेट टाइम	नॉट अप्लीकेबल
एडवरटाइज्ड वैल्यू (रू)	Rs. 3,61,02,819.80 (Including GST)	टेंडरिंग सेक्शन	टेण्डर सी0एण्डडब्ल्यू0
बिडिंग स्टाइल	सिंगल रेट फॉर ईच शेड्यूल आइटम	बिडिंग युनिट	% एज अबव / बिलो / एट पार
धरोहर राशि (रू)	7,22,100.00	ऑफर की वैधता	60 दिन
निविदा मूल्य (रू)	निशुल्क	कार्य की अवधि	24 माह
बिडिंग स्टार्ट डेट	15.10.2026		

No: 304-Mech-CW-ICD-VB-BSB-26 दिनांकः 08.10.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3496/26

आ गये मेरी मौत का तमाशा देखने

नाना पाटेकर : एक आदमी, एक आवाज और एक पूरी जिंदगी

-राजीव तिवारी बाबा
(स्वतंत्र पत्रकार)
****

नाना पाटेकर के जाने की खबर सिर्फ सिनेमा के एक अभिनेता के जाने की खबर नहीं है। यह उस आवाज के खामोश हो जाने की खबर है, जो पर्दे पर बोलती थी तो लगता था जैसे हमारे आसपास का कोई आदमी बोल रहा हो। उसमें बनावट नहीं थी, चमक-दमक नहीं थी। उसमें जिंदगी की खुरदुराहट थी, गुस्सा था, दर्द था और सच बोलने की बेचैनी थी। नाना उन कलाकारों में थे जिन्हें देखकर यह महसूस होता था कि अभिनय सीखा नहीं गया, बल्कि जिंदगी से निकाला गया है। आज उनकी सफलता को देखकर शायद ही कोई अंदाजा लगा सके कि यह सफर 35 रुपये महीने से शुरू हुआ था। किशोर उम्र में नाना स्कूल के बाद फिल्मी पोस्टरों में रंग भरने का काम करते थे। इसके लिए उन्हें महीने के करीब 35 रुपये और एक वक्त का खाना मिलता था। वह कई किलोमीटर पैदल चलकर काम पर जाते थे। यही वह दौर था जब उन्होंने गरीबी को बाहर से नहीं, भीतर से जाना। शायद इसीलिए, बाद में जब उन्होंने गरीब, मजदूर, बेरोजगार या टूटे हुए आदमी का किरदार निभाया तो वह अभिनय कम और अनुभव ज्यादा लगता था। नाना के जीवन में रंगमंच का भी बहुत बड़ा महत्व था। उस समय रंगमंच से न तो बड़ी कमाई होती थी और न ही वह आज की तरह लोकप्रियता देने वाला माध्यम था। घर चलाने के लिए उनकी पत्नी नीलकांति नौकरी करती थीं और नाना थिएटर करते रहे। उन्होंने सुरक्षित रास्ते के बजाय उस रास्ते को चुना जिसे वह अपना मानते थे। यही जिद आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। उन्होंने अभिनेता बनने की कोशिश नहीं की, उन्होंने अभिनेता की तरह जीना शुरू किया। फिल्मों में उनका आना भी किसी चमकदार सपने की तरह नहीं हुआ। शुरुआत छोटी भूमिकाओं से हुई और लंबे समय तक उन्हें वह पहचान नहीं मिली जिसके वह हकदार थे। लेकिन नाना ने कभी अपने अभिनय को सिर्फ रोजी-रोटी का जरिया नहीं माना। वह भूमिका चुनते थे, उसमें उतरते थे और उसे अपना बना लेते थे। परिंदा जैसी फिल्म ने उन्हें एक अलग पहचान दी और क्रांतिवीर ने उन्हें घर-घर पहुंचा दिया। क्रांतिवीर का उनका वह संवाद आज भी याद किया जाता है--÷ये मुसलमान का खून, ये हिंदू का खून, बता इसमें मुसलमान का खून कोन सा है और हिंदू का कौन सा?÷ यह संवाद इसलिए असरदार था क्योंकि नाना के चेहरे पर सिर्फ गुस्सा नहीं था, उसके पीछे एक बेचैन आदमी था जो समाज से सवाल कर रहा था। उनकी आवाज में जो आक्रोश सुनाई देता था, वह बनावटी नहीं लगता था। शायद इसलिए कि नाना खुद जिंदगी के अन्याय को बहुत करीब से देख चुके थे। लेकिन नाना को सिर्फ गुस्से का अभिनेता समझना उनके साथ अन्याय होगा। वही आदमी वेलकम में उदय शेट्टी बनकर लोगों को हंसा सकता था। ÷कंट्रोल, उदय, कंट्रोल÷ जैसे संवाद उनकी दूसरी छवि लेकर आए। इससे साबित हुआ कि जिस अभिनेता को लोग गंभीर और विद्रोही भूमिकाओं के लिए जानते हैं, उसके भीतर हास्य की भी उतनी ही गहरी समझ है। नाना की असली खूबी यही थी कि वह किसी एक खांचे में बंद नहीं हुए। उनके जीवन का एक कम चर्चित पक्ष सैनिकों और सेना के प्रति उनका लगाव था। उन्होंने प्रादेशिक सेना का प्रशिक्षण लिया था और कारगिल युद्ध के समय सैनिकों के बीच जाने की इच्छा जताई थी। वह युद्ध क्षेत्र तक गए और सैनिकों के बीच समय बिताया। यह उस समय की बात है जब उनका फिल्मी कद काफी बड़ा हो चुका था। फिर भी उन्होंने देशभक्ति को केवल पर्दे पर संवाद बोलने तक सीमित नहीं रखा। नाना के जीवन में निजी दुख भी कम नहीं थे। उनके बड़े बेटे दुर्वासा का जन्म शारीरिक विकलांगता के साथ हुआ और मात्र ढाई वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया। यह ऐसी पीड़ा थी जिसे कोई पुरस्कार, कोई सफलता और कोई प्रसिद्धि कम नहीं कर सकती थी। वर्षों बाद जब नाना ने इस घटना के बारे में बात की तो उनके शब्दों में एक पिता का अपराधबोध और टूटन साफ दिखाई देती थी। शायद यही वजह थी कि उनके अभिनय में पिता का दर्द इतना वास्तविक लगता था।उनकी जिंदगी का दूसरा बड़ा पक्ष किसानों और गांवों से जुड़ा था। महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्याओं और सूखे ने उन्हें भीतर तक प्रभावित किया। उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ मिलकर नाम फाउंडेशन के जरिए किसानों और गांवों के लिए काम शुरू किया। पानी, खेती और गांवों की बुनियादी जरूरतों से जुड़े कामों में उन्होंने अपना समय और प्रभाव लगाया। यह काम किसी फिल्म के प्रचार का हिस्सा नहीं था। यह उस आदमी की बेचैनी थी जो पर्दे पर दूसरों का दुख दिखाने के बाद वास्तविक जीवन में भी उससे मुंह नहीं मोड़ना चाहता था। नाना का व्यक्तित्व पूरी तरह निर्दोष या निर्विवाद भी नहीं था। उनका गुस्सा उनके जीवन का हिस्सा था और कई बार यही गुस्सा उनके लिए परेशानी का कारण बना। उनके व्यवहार और निजी जीवन को लेकर विवाद भी हुए। 2018 में अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने उन पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए, जिन्हें नाना ने खारिज किया। बाद में पुलिस ने पर्याप्त सबूत न मिलने का हवाला देते हुए मामला बंद करने की रिपोर्ट दाखिल की, हालांकि इस रिपोर्ट का विरोध भी हुआ। किसी भी बड़े सार्वजनिक व्यक्ति को याद करते समय उसके जीवन के ऐसे विवादित अध्यायों को छिपा देना उचित नहीं है। दरअसल, नाना पाटेकर की कहानी इसलिए महत्वपूर्ण है कि वह किसी आदर्श आदमी की कहानी नहीं है। यह एक ऐसे आदमी की कहानी है जिसमें अच्छाइयां भी थीं और कमियां भी। उसमें गुस्सा था तो करुणा भी थी। उसमें अहंकार के क्षण थे तो विनम्रता के भी। उसने गलतियां कीं और अपने जीवन के कुछ फैसलों पर पछतावा भी किया। लेकिन शायद महान कलाकार वही होता है जो अपनी कमजोरियों समेत दर्शकों के सामने खड़ा हो सके। नाना के अभिनय की सबसे बड़ी ताकत उनकी आवाज थी, लेकिन उनकी आवाज के पीछे उनकी जिंदगी थी। वह आवाज उस लड़के की थी जिसने गरीबी देखी थी। वह उस युवक की थी जिसने रंगमंच के लिए संघर्ष किया था। वह उस पिता की थी जिसने अपना बच्चा खोया था। वह उस आदमी की थी जिसने किसानों की आत्महत्या देखी थी। और वह उस अभिनेता की थी जिसने अपने किरदारों को सिर्फ निभाया नहीं, उन्हें भीतर तक महसूस किया। नाना पाटेकर को याद करने का सबसे सही तरीका शायद उनकी फिल्मों की सूची गिनाना नहीं है। उन्हें याद करने का सही तरीका उस संघर्ष को याद करना है जिसने उन्हें बनाया। 35 रुपये से शुरू हुआ वह सफर करोड़ों लोगों के दिलों तक पहुंचा। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि सफलता के शिखर पर पहुंचकर भी उनके भीतर का वह संघर्षरत आदमी पूरी तरह मरा नहीं। शायद वही आदमी उन्हें बाकी सितारों से अलग करता रहा। नाना की जिंदगी हमें यह भी बताती है कि प्रसिद्धि आदमी को बड़ा नहीं बनाती। आदमी बड़ा तब होता है जब प्रसिद्धि मिलने के बाद भी उसे दूसरों का दर्द दिखाई देता रहे। नाना ने अपने तरीके से यह साबित करने की कोशिश की। कभी फिल्मों में, कभी रंगमंच पर, कभी सैनिकों के बीच और कभी किसानों के साथ खड़े होकर। उनके जाने के बाद उनके संवाद याद किए जाएंगे। ÷कंट्रोल, उदय, कंट्रोल÷ पर लोग मुस्कुराएंगे। ÷ये मुसलमान का खून, ये हिंदू का खून...÷ पर लोग ठहरकर सोचेंगे। लेकिन शायद आने वाले समय में उनके सबसे बड़े संवाद उनकी फिल्में नहीं, उनकी जिंदगी होगी।

संम्पादकीय

दवा में डकैती

सर्वोच्च न्यायालय ने कैंसर की दवाओं की एमआरपी और सरकारी खरीद मूल्य के बीच बड़े अंतर को अजूबा करार दिया है। यह अंतर 10 गुना से भी ज्यादा है। 2700 रुपए की खुदरा बिक्री वाली कैंसर की दवा पर एमआरपी 27,000 रुपए अंकित होने पर इसे न्यायामूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ने पहले तो 'दिनदहाड़े' डकैती कहा और फिर 29 सितंबर 2026 को हुई सुनवाई में इस भारी अंतर को दो टूक शब्दों में 'कत्लेआम' यानी 'सामूहिक संहार' तक कहने में संकोच नहीं किया। दवा कारोबारी, निजी और सरकारी अस्पतालों में दवाओं की खरीद करने वाले जिम्मेदारों के लिए इससे तीखी टिप्पणी, दूसरी कोई हो नहीं सकती। अदालत ने यह सवाल भी खड़ा किया कि 'इतना पैसा कहां जा रहा है और फायदा किसे हो रहा है?' यह टिप्पणी सीधे-सीधे दवा उत्पादक, निजी अस्पतालों के मालिक एवं चिकित्सक तथा सरकारी खरीद में लिप्त जिम्मेवारों का अमानवीय चेहरा सामने लाती है। यह विडंबना तब है, जब भारत सरकार एक दवा, एक मूल्य और एक गुणवत्ता नीति से जुड़ा कानून फरवरी 2025 में पूरे देश में लागू कर चुकी है। इस नियम के तहत थोक दवा विक्रेताओं और ई-फार्मेसी को दवाओं की मूल्य-सूची को सार्वजनिक रूप से दिखाना अनिवार्य है, ताकि रोगियों को तय दामों पर ही उचित गुणवत्ता की मानक दवाएं मिल सकें। परंतु शीर्ष न्यायालय की इस तीखी प्रतिक्रिया से साफ है कि दवा विक्रेताओं और सरकारी दवा खरीद से जुड़े अधिकारियों ने इस कानून को बट्टे खाते में डाल दिया है। कॉरपोरेट अस्पताल अब सेवा नहीं उद्योग बन गए हैं। यहां तक कि ये अस्पताल के भीतर स्थित मेडिकल स्टोर से ही रोगी को दवा खरीदने के लिए मजबूर करते हैं। यदि कोई रोगी बाहर से दवा लाने को कहता है तो उपचार की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेने की बात (एक तरह की धमकी) कहते हैं। जबकि इनमें से ज्यादातर अस्पताल आयुष्मान भारत और अन्य सरकारी लाभदायी स्वास्थ्य योजनाओं के तहत भी उपचार करते हैं। यानी दवा उत्पादकों और अस्पतालों की मनमानी कानून अस्तित्व में आने के बाद भी बनी हुई है फार्मा कंपनियां अपनी दवाओं के मूल्य का निर्धारण किस आधार पर करती हैं, यह भी बड़ा सवाल है ? साफ है, जब दवाएं आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आती हैं तो फिर एमआरपी के छद्म आधारित मूल्य व्यवस्था कैसे और क्यों बनी हुई है? जबकि सबका स्वस्थ रहना नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। कुछ समय पहले कंपनी मामलों के मंत्रालय की सर्वे रिपोर्ट ने सरकार को आगाह किया गया था कि दवाएं आम आदमी की पहुंच से जानबूझकर बाहर की जा रही हैं। इस रिपोर्ट ने तय किया कि दवाओं की महंगाई का कारण दवा में लगने वाली सामग्री का महंगा होना नहीं है बल्कि दवा कंपनियों के मुनाफे की हवस में बदल जाना है। इस लालच के चलते कंपनियां राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के नियमों का भी पालन नहीं करती हैं और दवाओं की कीमत कई सैकड़ा गुना तक अधिक रख देती हैं। यहां तक कि नामीगिरामी दवा कंपनियां भी दो सौ से पांच सौ गुना ज्यादा कीमत अपने दवा उत्पादों की रख रही हैं। ये महंगे दवा उत्पाद सरकारी अस्पतालों में भ्रष्टाचार के बूते खपाए जाते हैं। इसके पहले नियंत्रक और महालेखा परीक्षक ने भी देशी-विदेशी दवा कंपनियों पर सवाल उठाते हुए कहा था कि दवा कंपनियों ने सरकार द्वारा दी उत्पाद शुल्क में छूट का लाभ तो लिया लेकिन दवाओं की कीमतों में कटौती नहीं की।

अचूक, अभेद्य और सटीक भारतीय वायु सेना

डी. के. पांडेय
****

भारतीय वायु सेना (आई. ए. एफ.) आज (8 अक्टूबर, 2026) अपनी 94वीं वर्षगांठ मना रही है। यह दिन हवाई सुरक्षा, रणनीतिक प्रतिरोध और मानवीय सेवा के लगभग एक सदी के सफल सफर को दर्शाता है।भारतीय वायु सेना दिवस हर साल 8 अक्टूबर को मनाया जाता है, जो 1932 में हमारी वायु सेना की आधिकारिक स्थापना की याद दिलाता है। ब्रिटिश शासन के दौरान %रॉयल ??इंडियन एयर फ़ोर्स% के रूप में स्थापित, वायु सेना ने 1950 में अपने नाम से ÷रॉयल÷ शब्द हटा दिया। यह दिन उन वायु योद्धाओं (सेवानिवृत्त एवं सेवारत) के साहस, पेशेवर रवैये और बलिदान का सम्मान करता है, जो शांति और संघर्ष के समय भारत के हवाई क्षेत्र, सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करते हैं।भारतीय वायु सेना दिवस समारोह भव्यता, सटीकता और टेक्नोलॉजी के प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। सालाना एयर डिस्प्ले और फ्लाईपास्ट में फाइटर जेट, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर के तालमेल वाले हवाई करतब शामिल होते हैं। एयर-वॉरियर परेड में पुरुष और महिला दोनों तरह के कर्मियों का सटीक तालमेल वाला मार्च होता है, जो अनुशासन और मिलिट्री अंदाज़ को दिखाता है। फ्लाई-पास्ट कार्यक्रम को आम जनता तक पहुँचाने के लिए हर साल जगहें बदली जाती हैं, जैसे हिंडन एयर फ़ोर्स बेस, चंडीगढ़ और प्रयागराज। इस साल वाराणसी में 22, 23 और 25 अक्टूबर को फ्लाई-पास्ट डिस्प्ले होगा।थीम-बेस्ड कैंपेन में प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) और रक्षा मंत्रालय की तरफ़ से ऑफिशियल प्रमोशनल रिलीज़

शामिल हैं, जिनमें डायनामिक वीडियो कंटेंट होता है, जैसे 2026 का कैंपेन जिसकी थीम है, ÷इंडियन एयर फ़ोर्स- अचूक, अभेद्य और सटीक।÷2022 से लगातार पांचवें साल, भारतीय वायु सेना दुनिया भर में अमेरिका और रूस के बाद तीसरे स्थान पर है। यह युद्ध में खुद को साबित कर चुकी और अनुभवी सेना है। साथ ही, यह इस क्षेत्र की एकमात्र ऐसी वायु सेना है जो लगातार युद्ध अभियानों में शामिल रही है। 2019 में बालाकोट, 2020 से 2025 तक लद्दाख एल ए सी गतिरोध और मई 2025 में %ऑपरेशन सिंदूर% जैसे अभियानों ने भारतीय वायु सेना की लंबी दूरी तक हमला करने और हवाई सुरक्षा की क्षमताओं को दिखाया है। ऑपरेशन का अनुभव इसकी एक बड़ी ताकत है। भारतीय वायु सेना 250 से ज़्यादा एसयू-30एम के आई एयर-डोमिनेंस फाइटर जेट्स का संचालन करती है। इन्हें एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे रडार और अस्त्र मार्क2 मिसाइलों के साथ %सुपर सुखोई% मानकों के अनुसार अपग्रेड किया जा रहा है। राफेल 4.5-जेनरेशन फाइटर जेट्स, जो मीटियोर और स्कैल्प मिसाइलों और एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट से लैस हैं, %ऑपरेशन सिंदूर% में बहुत असरदार साबित हुए। जल्द ही राफेल का एक नया वेरिएंट आने की उम्मीद है। तेजस मार्क-1, अपग्रेडेड मिग-29यूपीजी, मिराज-2000 और जगुआर फाइटर जेट्स जैसे अन्य प्लेटफॉर्म भी अलग-अलग तरह की ऑपरेशनल क्षमताएं प्रदान करते हैं। लेह (10,700 फीट की ऊंचाई) से लेकर कार निकोबार जैसी जगहों से काम करने की भारतीय वायु सेना की क्षमता इसे क्षेत्र की एकमात्र ऐसी वायु सेना बनाती है जो लगातार ऊंचाई वाले इलाकों में ऑपरेशन करने में सक्षम है। भारतीय वायु सेना एस-400 और आकाश सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम के साथ आईएसीसीएस और एएफनेट का इस्तेमाल करके असरदार इंटीग्रेटेड नेट-सेंट्रिक ऑपरेशन करती है। ये प्लेटफ़ॉर्म एक यूनिफाइड नेटवर्क के तौर पर काम करते हैं। एयर वॉरियर्स ने टेक्नोलॉजी-बेस्ड ऑपरेशन के तरीके को सफलतापूर्वक अपना लिया है। भारतीय वायु सेना का ट्रेनिंग का तरीका सबसे अच्छे तरीकों में से एक है और भारतीय वायु सेना के पायलटों ने कई इंटरनेशनल एक्सरसाइज़ जीती हैं। %आत्मनिर्भर भारत% पहल और देश में ही मॉडर्नाइज़ेशन पर ध्यान देने के अच्छे नतीजे मिल रहे हैं। भारतीय वायु सेना ने 180 तेजस मार्क -1ए एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दिया है और आमका (ए एम सी ए), फिफ्थ-जेनरेशन फाइटर, कैटस् टीमिंग ड्रोन और स्वदेशी अस्त्र बी वी आर मिसाइल को मंजूरी दी है। ये कदम आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हैं, साथ ही बदलाव के दौर में क्षमता की कमियों को दूर करने के लिए लगातार कोशिशें ज़रूरी हैं।कई दशकों के इतिहास में, भारतीय वायु सेना बाइप्लेन के एक छोटे से बेड़े से बढ़कर दुनिया की टॉप पाँच सबसे ताकतवर एयर फ़ोर्स में से एक बन गई है। इसकी मुख्य उपलब्धियों में शामिल हैं- युद्ध के समय बहादुरी- बड़े मिलिट्री ऑपरेशन्स में अहम भूमिका, जिसमें दूसरा विश्व युद्ध; 1948, 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष; 1999 का कारगिल युद्ध शामिल हैं। और 2019 के बालाकोट ऑपरेशन जैसे सटीक क्रॉस-बॉर्डर हमले। सेना का आधुनिकीकरण और स्वदेशी इनोवेशन- पुराने आयातित विमानों से हटकर राफेल और एसयू-30एम के आई जैसे एडवांस्ड मल्टी-रोल फाइटर जेट, तेजस जैसे स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान, सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-295 जैसे आधुनिक भारी-भरकम सामान ढोने वाले विमान, और स्वार्म ड्रोन व ड्रोनाथॉन जैसी नई तकनीकों को अपनाना। मानवीय सहायता और आपदा राहत (एच ए डी आर)- राष्ट्रीय आपातकाल, बाढ़ और भूकंप के दौरान ज़रूरी बचाव अभियान चलाना, और विदेशों में संघर्ष वाले इलाकों में फँसे नागरिकों और मेडिकल सप्लाई को एयरलिफ्ट करना।शानदार क्षमताओं के बावजूद, भारतीय वायु सेना को ऑपरेशन, स्ट्रक्चर और प्लानिंग से जुड़ी अहम चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों की संख्या में काफी कमी आ रही है। हालाँकि 42 फाइटर स्क्वाड्रन की मंजूरी है, लेकिन अभी संख्या इससे कम है। 2030 के दशक में इनके और कम होने की उम्मीद है क्योंकि मिग-21, मिग-29, जगुआर और मिराज-2000 जैसे पुराने बेड़े तेज़ी से रिटायर हो रहे हैं और उनकी जगह नए विमान उतनी तेज़ी से नहीं आ रहे हैं। यह बढ़ता अंतर भविष्य की तैयारी के लिए सेना के आधुनिकीकरण को बहुत ज़रूरी बनाता है। एयर चीफ मार्शल एयर मार्शल ए.पी. सिंह ने 3 अक्टूबर 2026 को कहा, ÷हमारी संख्या कम है, लेकिन हम कमज़ोर नहीं हैं,÷ जो भारतीय वायु सेना की मौजूदा स्थिति को दर्शाता है। 2021 में ऑर्डर किए गए स्वदेशी तेजस मार्क-1ए का एक स्क्वाड्रन साल के आखिर तक शामिल कर लिया जाएगा। तेजस मार्क-2 की पहली उड़ान सितंबर 2027 तक होने की संभावना है, जबकि आमका (ए एम सी ए) की पहली उड़ान सितंबर 2028 तक होने की उम्मीद है। भारतीय वायु सेना उत्तरी सीमा पर लंबे समय से चल रहे और बहुत अहम सैन्य गतिरोध को संभाल रही है, साथ ही परमाणु हथियार वाले पश्चिमी पड़ोसी के खिलाफ रणनीतिक तैयारी भी बनाए हुए है।चीन का सैन्य बुनियादी ढांचे, एयरफील्ड और क्वांटम कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्टील्थ क्षमताओं जैसी अगली पीढ़ी की तकनीकों का तेज़ी से आधुनिकीकरण क्षेत्रीय निर्माण क्षमताओं से कहीं आगे निकल रहा है। इससे प्रभावी %फोर्स मल्टीप्लायर% (सैन्य क्षमता बढ़ाने वाले साधनों) और लगातार आधुनिकीकरण के ज़रिए सीमित संसाधनों का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल करने की ज़रूरत बढ़ जाती है। इन-फ्लाइट रिफ्यूलर (आई एल-78), एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (अवाक्स), लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल बैटरी और मज़बूत अनमैन्ड एरियल कॉम्बैट सिस्टम (यू ए एस) जैसे अहम %फोर्स मल्टीप्लायर% की कुल संख्या में अभी भी कमी है, जिससे इन क्षमताओं को बड़े पैमाने पर तैनात करने में सीमाएँ आती हैं।

लोकतंत्र का स्वाद चखते मोदी-शाह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जुबान पर सत्ता का स्वाद चढ़ा हुआ है, लेकिन अब इंडिया गठबंधन ने इन दोनों सत्ताधीशों को लोकतंत्र का स्वाद अच्छे से चखा दिया है। मंगलवार को इंडिया के सांसदों का चुनाव आयोग तक प्रदर्शन मार्च तो बीच में ही रोक दिया गया और तमाम सांसदों को हिरासत में लिया गया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को पुलिस ने शाम तक गिरफ्तार किया, लेकिन देर रात छोड़ना भी पड़ा। इसके बाद मोदी-शाह ने शायद मान लिया था कि अब कुछ वक्त तक इंडिया के सांसद शांत बैठेंगे। आखिर विपक्ष के 250-300 सांसदों को बार-बार इकट्ठा तो नहीं किया जाएगा, वह भी तब जब संसद सत्र न चल रहा हो। लेकिन मोदी-शाह की सोच के विपरीत बुधवार को मल्लिकार्जुन खड़गे ने तमाम सांसदों को दिल्ली में सागर रत्ना नाम के दक्षिण भारतीय व्यंजनों के लिए मशहूर रेस्तरां में दोपहर के भोजन पर आमंत्रित कर लिया। भाजपा ने इसका भी मजाक उड़ाया कि क्या राहुल को पता नहीं कि सागर रत्ना शुद्ध शाकाहारी व्यंजन ही परोसता है। दरअसल मंगलवार को आकाशवाणी परिसर में जब राहुल गांधी ने खान चाचा का चिकन रोल खाया था, तो उस पर भाजपा ने खूब ट्रोल किया था कि राहुल ने नॉनवेज रोल खाया। बहरहाल, शाकाहारी और मांसाहारी भोजन के चयन पर अपना समय बिताती भाजपा ने इस बात पर ध्यान ही नहीं दिया कि भोजन की मेज पर केवल भोजन ही नहीं होता है, महत्वपूर्ण रणनीतियां भी बनती हैं। खड़गे जी ने विपक्षी सांसदों के साथ अंताक्षरी खेलने के लिए भोज पर जाने का फैसला नहीं लिया था, बल्कि वहां फिर से तय किया गया कि किस तरह चुनाव आयोग तक पहुंचा जाए। जंतर-मंतर और चुनाव आयोग के दफ्तर से कुछ ही दूरी पर स्थित सागर रत्ना से निकलते ही तमाम सांसद कुछ बसों में सवार हुए और फिर उस तरफबढ़ चले जहां से एक रास्ता चुनाव आयोग को जाता है और दूसरा जंतर-मंतर को। दिल्ली पुलिस के लिए एक बार फिर चुनौती खड़ी हो गई कि अब इन्हें कैसे और कहां तक रोके। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक एक बार फिर राहुल गांधी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है, लेकिन युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने पुलिस बस को इस तरह घेर लिया है कि वो राहुल को कहीं ले जा न सके। इससे पहले जब बाकी सांसदों और कार्यकर्ताओं को पुलिस हिरासत में ले रही थी और राहुल गांधी पर पीछे हटने का दबाव डाल रही थी तो प्रियंका गांधी कुछ अन्य महिलाओं के साथ वहीं सड़क पर लेट गई थीं। पुलिस के अलावा रैपिड एक्शन फोर्स के जवान भी बड़ी तादाद में तैनात किए गए थे। विपक्षी सांसदों, उनके समर्थकों, कार्यकर्ताओं और पुलिस की मौजूदगी से लुटियन्स दिल्ली के इस अहम इलाके में इतनी ज्यादा भीड़ इकट्ठा हो चुकी थी कि कभी भी कुछ भी अनहोनी हो सकती थी। मोदी-शाह की नजर में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और तमाम विपक्षी सांसदों की जान की कोई कीमत नहीं है, यह बात एक बार फिर जाहिर हुई। मंगलवार की जगह बुधवार को भी दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी को कई बार जबरदस्ती रोकने की कोशिश की, ठीक ऐसा ही व्यवहार उनके साथ तब भी हुआ था जब जुलाई में वे प्रधानमंत्री आवास के सामने पहुंच गए थे। राहुल गांधी को जेड प्लस सिक्योरिटी मिली हुई है, यानी कम से कम 50-55 जवानों का घेरा उनके इर्द-गिर्द होना ही चाहिए। लेकिन जब दिल्ली पुलिस उन्हें घेरती है, तो यह घेरा कहां चला जाता है और किसके इशारे पर चला जाता है, इसका जवाब अमित शाह को देना चाहिए। हालांकि राहुल गांधी अपनी जान की परवाह न करके पहले लोकतंत्र बचाने की परवाह कर रहे हैं, इसलिए लगातार सड़क पर उतर रहे हैं। और जिन लोगों के हाथों में सत्ता है, वे मोदी-शाह लगातार संविधान के खिलाफकाम कर रहे हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शन में बाधा डालना ऐसा ही एक काम है।

मोदी अब कभी नहीं पूछेंगे कौन राहुल

सर्वमित्रा सुरजन
****

एक बार नरेन्द्र मोदी ने अहंकार में पूछने की हिमाकत कर ली कि कौन राहुल, लेकिन अब भूल से भी कभी पूछने का दुस्साहस नहीं करेंगे। उन्हें और पूरे संघी-भाजपाई कुनबे को समझ आ ही चुका है कि कौन राहुल। मंगलवार को एक-दो नहीं छह-छह बार भाजपा को अपने उन प्रवक्ताओं को प्रेस के सामने लाना पड़ा, जो बदजुबानी और कुतर्क करने के लिए ख्यात हैं। क्योंकि इंडिया गठबंधन के सांसदों का संसद से चुनाव आयोग तक पहुंचने के लिए निकाला गया मार्च इस कदर द राहुल गांधी शो में तब्दील हो जाएगा, इसकी कल्पना भाजपा को नहीं थी। पहले तो राहुल गांधी का बैरिकेड पर चढ़कर वहीं से भाजपा के समूचे तंत्र को चुनौती देना कि इस किस्म की तानाशाही देश में चलने नहीं देंगे, फिर राहुल गांधी का प्रियंका गांधी समेत कई और सांसदों के साथ आकाशवाणी के भीतर चले जाना, वहीं बरगद के पेड़ के नीचे बैठना, भूख लगी तो खान चाचा से मंगाया हुआ रोल खाना, कुछ घंटे गुजर जाने के बाद पेड़ के नीचे चटाई बिछाकर बैठना, बीच में मीडिया के जरिए संदेश देना कि हम भाजपा और ज्ञानेश कुमार को बख्शेंगे नहीं, फिर देर शाम राहुल को जबरन हिरासत में लेती दिल्ली पुलिस, उनका अहिंसक विरोध दर्ज करते हुए बस की खिड़की से बाहर निकलने की

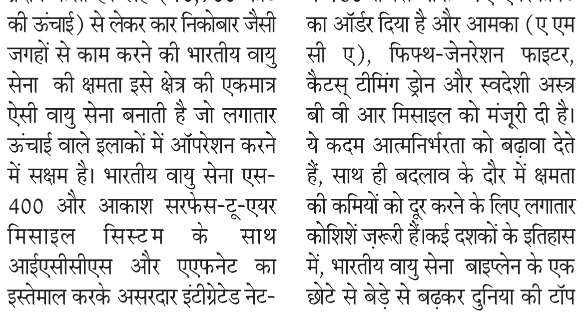

कोशिश करना, किंग्सवे कैंप में राहुल को कैद रखना और प्रियंका गांधी का ऊंचे गेट पर चढ़कर उसे खोलना और फिर रात ग्यारह बजे के आसपास राहुल का हाथ में संविधान की किताब दिखाते हुए रिहा होना, यह सब एक नहीं हजारों-लाखों-करोड़ों आवाजों का चीख-चीख कर बताना है कि कौन हैं राहुल, कहां से मिली है उन्हें संघर्ष और प्रतिरोध की ऐसी ताकत। अब भाजपा प्रवक्ता इस झूठ को सौ बार भी क्यों न बोल लें कि राहुल गांधी को लॉन्च करने के लिए यह सब विरोध का नाटक हो रहा है, कि राहुल गांधी चुनाव चोरी पर झूठ बोल रहे हैं, कि ज्ञानेश कुमार ने भाजपा को जिताने के लिए कोई हेरा-फेरी नहीं की, अब जनता भाजपा की बात को न सुन रही है, न मान रही है। कुछेक पत्रकार अब भी किन्तु-परन्तु करते हुए राहुल गांधी को गलत और नरेन्द्र मोदी-ज्ञानेश कुमार को सही साबित करने में लगे हैं, लेकिन वो भी जानते हैं कि भाजपा ज्यादा वक्त तक उनकी जेब भारी नहीं रख पाएगी। मंगलवार को राहुल गांधी ने संसद से आकाशवाणी तक का कुछ सौ मीटर का फासला ही तय नहीं किया, देश के राजनैतिक माहौल को 360 डिग्री घुमा दिया। नरेन्द्र मोदी तो अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल, सेवा ही संकल्प और ऐसे ही न जाने कितने जुमलों के साथ तैयार बैठे थे कि पूरे देश में प्रचार का फिर से मौका मिलेगा। लेकिन उन पर बेचारगी ऐसी टूटी कि अखबारों के फ्रंट पेज पर विज्ञापनों में तो मोदी दिखे, लेकिन खबरों में राहुल गांधी का प्रदर्शन ही छाया रहा। मोदी ने दिल्ली के सरोजिनी नगर में श्री विनायक मंदिर में पुजारी के साथ पूजा करते हुए अपना वीडियो भी बनवाया। लेकिन उस वीडियो में भी नजर आ गया कि एक सामने से शॉट लिया गया, एक ऊपर से, एक भगवान की मूर्ति के पीछे से ताकि मोदी पूरी तरह फ्रेम में आएं, क्लोजअप शॉट, स्लो मोशन शॉट सब अच्छे से लेकर वीडियो में डाले गए। इस तरह पूजा करते हुए मोदी की अच्छी पिक्चर बन गई। वो तो पुजारी को साथ रखना मजबूरी रही होगी, वर्ना मोदी अपने साथ किसी और फ्रेम में बर्दाश्त नहीं करते हैं। लेकिन इस सबके बावजूद मोदी की फिल्म फ्लॉप ही रही। एक तो यही हास्यास्पद बात लगी कि आप इस बात की खुशी मना रहे हैं कि सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे हुए। 7 अक्टूबर 2001 को मोदी पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तो अब उसी का ढोल पीटा जा रहा है। आज तक किसी नेता, मंत्री, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री को ऐसा करते हुए नहीं देखा गया। लेकिन मोदी के मन में प्रचार की भूख नहीं, एक अंधा कुआं है, जिसमें जितने फुटेज डालो, वो सब पचा जाते हैं। अभी कुछ समय पहले सबसे ज्यादा वक्त प्रधानमंत्री रहने का भी जश्न मनाया था, वो भी झूठ की बुनियाद पर, क्योंकि नेहरूजी जितना लंबा कार्यकाल तो मोदी का नहीं हुआ है। अब 25 साल पद पर रहने की खुशी मनाई जा रही थी, उसमें भी रंग में भंग पड़ गया। क्योंकि चुनाव चोरी का कच्चा-चिट्ठा खुलने लगा है। जंतर-मंतर पर तो वोट चोरी के खिलाफआंदोलन लगातार चल ही रहा है। 10 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी भी एक नया आंदोलन यहीं से शुरु करेगी। लेकिन उससे पहले छह अक्टूबर को इंडिया गठबंधन के सांसद संसद भवन से चुनाव आयोग तक मार्च निकालेंगे यह फैसला 30 सितंबर की बैठक में ही सुना दिया गया था। भाजपा को लगा था कि हमेशा की तरह सांसदों को कुछ दूर चलते ही पुलिस हिरासत में लिया जाएगा, वो सब बस में बैठकर मीडिया के जरिए अपने विरोध को जारी रखने का संदेश देंगे, और फिर आधे एक घंटे के बाद सब कुछ सामान्य हो जाएगा। इस विरोध की खबरें भी मैनेज कर ली जाएंगी और जनता यही देखकर इत्मीनान कर लेगी कि विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं, मतलब लोकतंत्र को मोदी ने अभी पूरी तरह मारा नहीं है। लेकिन राहुल गांधी ने तो बिल्कुल नए अंदाज में विरोध करके दिखा दिया। जैसे आजादी की लड़ाई के दौरान ब्रिटिश सरकार आंदोलनकारियों के तौर-तरीकों को समझ ही नहीं पाती थी, वैसा ही हाल मोदी सरकार का हो गया। राहुल गांधी के विरोध को दर्शाते हुए इंस्टाग्राम पर ढेरों रील्स बन चुकी हैं, लाखों-करोड़ों लोग इन्हें देख रहे हैं, पसंद कर रहे हैं, शेयर कर रहे हैं। जिस जेन जी की जुबान बोलने में मोदी उलझे और फंसे दिखते हैं, वो जेन जी राहुल को अपने नए आइकन की तरह दिखा रही है। कौन राहुल के बाद मोदी ने राहुल की उम्र पर भी तंज कसा था कि मैं किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा हूं, लेकिन अब उन्हें ये भी समझ आ रहा होगा कि राहुल को उम्र की सीमा से परे जाकर जेन जी ने अपना लिया है। दरअसल राहुल गांधी इस समय पूरे देश में छाए हुए हैं।

सपा कार्यकर्ताओं ने निकाला पैदल मार्च, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की उठाई मांग

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। जनपद मुख्यालय उन्नाव में समाजवादी पार्टी द्वारा चुनाव आयोग की अनियमितताओं के विरोध एवं मुख्य चुनाव आयुक्त श ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शांतिपूर्ण पैदल मार्च आयोजित किया गया। इस मार्च में भगवंतनगर से अंकित सिंह परिहार के नेतृत्व में सैकड़ों पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

यह शांतिपूर्ण पैदल मार्च राष्ट्रीय सचिव श्रीमती अन्नू टंडन एवं जिला अध्यक्ष जयचंद विमल जी के नेतृत्व में जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय, उन्नाव से प्रारंभ हुआ। मार्च में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र, संविधान और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था को मजबूत किए जाने की मांग को लेकर अपनी आवाज बुलंद की।

अंकित सिंह परिहार ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में निष्पक्ष चुनाव और संविधान की मर्यादा सर्वोपरि है। चुनाव व्यवस्था से जुड़े विषयों पर जनता और राजनीतिक दलों द्वारा लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना लोकतंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।सपा नेताओं ने कहा कि 'वोट बचाओ-देश बचाओ' एवं 'लोकतंत्र बचाओ' अभियान लोकतांत्रिक मूल्यों और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा का अभियान है।इस प्रदर्शन मे मो इस्माइल, सीके त्रिपाठी, पूर्व विधायक उदयराज यादव, सुन्दर लाल लोधी, बदलू खान, रामबरन कुरील, राधेलाल रावत, सुधीर रावत, राम कुमार, अंकित परिहार, चन्द्रपाल पासी, आंचल वर्मा, मुन्ना अल्वी, विरेन्द्र शुक्ला, धर्मेन्द्र यादव, राज कुमार रावत, सेवकलाल, नरायन पाल, राजेन्द्र लोधी, बीतेन्द्र यादव, मंटू कटियार, स्वरित चैधरी, राजेश यादव 'साधू', राजकुमार लोधी, मंजीत यादव, अवधेश सिंह, नरेन्द्र लोधी, जितेन्द्र रावत, शिवकुमार पाल, सुर्जाउरहमान 'सुजा', नसीम भाई, शशांक शेखर शुक्ला, अशोक चन्देल, बृजपाल यादव, मन मोहन, अनवर सिद्दीकी, राजेश मिश्रा, सीएल यादव, अंकित यादव, जीतू केशरवानी, रमन पटेल, सर्वेश रावत, रामपाल वर्मा, छोटेलाल भारती, जगदीश यादव, तनवीर, संजीव त्रिवेदी, ज्ञानेश, दीपक देवा आदि नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे!

जीएसटी सुधारों को लेकर लिए गए निर्णयों का आईडीए ने किया स्वागत

लोकेश कुमार

गुरुग्राम। 57वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एसोसिएशन (आईडीए) ने स्वागत किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष केके गांधी ने केंद्र सरकार और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जीएसटी व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी और व्यापार-अनुकूल बनाने की दिशा में उठाए गए ये कदम उद्योग एवं व्यापार जगत के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। विशेष तौर पर रिफंड प्रक्रिया को तेज करने, छोटे मामलों में आपराधिक कार्रवाई की सीमा बढ़ाने, ईमानदार करदाताओं के आईटीसी को सुरक्षित रखने तथा जीएसटी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सरल एवं सुरक्षित बनाने से कारोबारियों का सरकार पर विश्वास और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय से उद्योग जगत की यह प्रमुख मांग रही है कि ईमानदार करदाताओं को अनावश्यक जांच, देरी और कानूनी जटिलताओं से राहत मिलनी चाहिए ताकि व्यापार करने की प्रक्रिया सहज हो सके। जीएसटी सुधारों के ये नए प्रस्ताव इसी दिशा में एक सकारात्मक और सराहनीय पहल हैं। सरकार का यह दृष्टिकोण देश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के माहौल को और अधिक सशक्त बनाएगा। इसका सबसे बड़ा लाभ विशेष रूप से एमएसएमई और छोटे तथा मध्यम उद्योगों को मिलेगा। केके गांधी ने केंद्र सरकार, जीएसटी काउंसिल और वित्त मंत्रालय का इन उद्योग-हितैषी सुधारों के लिए आभार जताया है। साथ ही, यह उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी सरकार उद्योग जगत के सुझावों और व्यावहारिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए ऐसे ही सकारात्मक कदम उठाती रहेगी।

कादीपुर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन ने की संयुक्त कमिश्नर से मुलाकात

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम । कादीपुर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन की ओर से जीएसटी विभाग की संयुक्त कमिश्नर स्नेहलता के साथ सौहार्दपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक के दौरान उद्योग जगत से जुड़े विभिन्न विषयों तथा जीएसटी से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। बैठक के उपरांत एसोसिएशन की ओर से जीएसटी विभाग की संयुक्त कमिश्नर को स्मृति-चिह्न के रूप में महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की तस्वीर भेंट कर उनका सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर कादीपुर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष श्रीपाल शर्मा, कल्याण सिंह भड़ाना, दीक्षित राज कौशिक और ओम चावला प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। वहीं, हरियाणा स्टेट टैक्स बार एसोसिएशन की ओर से प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता नवीन गुप्ता एवं जनरल सेक्रेटरी अधिवक्ता धीरज कौशिक ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। यह बैठक उद्योग जगत और जीएसटी विभाग के बीच बेहतर समन्वय, संवाद और सहयोग की दिशा में एक बेहद सकारात्मक पहल साबित हुई है। इस तरह के सौहार्दपूर्ण संवाद, सकारात्मक सोच और बेहतर तालमेल से आने वाले समय में उद्योग एवं प्रशासनिक विभागों के बीच आपसी संबंध और अधिक मजबूत होंगे।

गुरुग्राम की देवतुल्य जनता के उत्साह ने सेवा ज्योति यात्रा को बनाया अभूतपूर्व : सर्वप्रिय त्यागी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम। महाराणा प्रताप स्वर्ण जयंती पार्क में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 साल जन सेवा से राष्ट्र सेवा–विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा के भव्य, सफल आयोजन पर भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने गर्व एवं हर्ष व्यक्त करते हुए सभी भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों तथा गुरुग्राम की जनता का आभार व्यक्त किया। भाजपा गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऐतिहासिक एवं कुशल नेतृत्व में राष्ट्रसेवा के 25 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम गुरुग्राम के लिए एक ऐतिहासिक अवसर रहा। कार्यक्रम में देश के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। सर्वप्रिय त्यागी ने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, केंद्रीय राज्य मंत्री एवं गुरुग्राम से सांसद राव इंद्रजीत सिंह, हरियाणा कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा, सभी सम्मानित मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारीगण सहित सभी जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ नेताओं का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया हैं। सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि इस भव्य आयोजन की सफलता किसी एक व्यक्ति का प्रयास नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता की मेहनत, समर्पण, अनुशासन और संगठन के प्रति निष्ठा का परिणाम है।अंत में सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि वे एक बार फिर कार्यक्रम को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देने वाले सभी वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं गुरुग्राम की देवतुल्य जनता जनार्दन का कोटिशः आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हैं।

पंडित मांगे राम शर्मा जयंती समारोह एवं विप्र संकल्प विमोचन कार्यक्रम 24 अक्टूबर को

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम । सामाजिक संस्था विश्व ब्राह्मण संघ (डब्ल्यूबीएफ) के तत्वावधान में आगामी 24 अक्टूबर को सेक्टर-14 स्थित जीआईए परिसर में पंडित मांगे राम शर्मा जयंती समारोह एवं विप्र संकल्प विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। डब्ल्यूबीएफ के चेयरमैन पंडित शशिकांत शर्मा कार्यक्रम का मुख्य विषय प्रेरणा से संकल्प तक संस्थापक की विरासत, संगठन की एकता और समाज का संकल्प निर्धारित किया गया है। आयोजन में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा मुख्य अतिथि तथा विधायक मुकेश शर्मा व पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट विशिष्ट अतिथि के रुप में शामिल होंगे। आयोजन में समाज के विभिन्न वर्गों और गणमान्य नागरिकों को सादर आमंत्रित किया गया है। विश्व ब्राह्मण संघ ने समस्त विप्र बंधुओं और समाज के लोगों से इस ऐतिहासिक जयंती और विमोचन समारोह में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

ट्रक ने तेल टैंकर को मारी टक्कर टैंकर से सड़क पर फैला तेल, भरने के लिए पहुंचे लोग

ट्रांसपोर्ट नगर, कानपुर ,एजेंसी। कानपुर के न्यू ट्रांसपोर्ट नगर में कल शाम ट्रक ने तेल टैंकर में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद टैंकर से तेल सड़क पर फैलने लगा। देखते ही देखते सड़क पर तेल फैल गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। तेल सड़क पर फैलते ही आसपास के लोग बाल्टी और अन्य बर्तन लेकर मौके पर पहुंच गए। लोग सड़क पर फैला तेल भरने लगे। घटना के कारण हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने यातायात व्यवस्था को सामान्य कराने का प्रयास किया। हादसे के बाद

मड़ैया गांव में पी डब्लू डी की सड़क पर जलभराव और बड़े-बड़े गड्ढों से राहगीर परेशान

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

महेवा। विकास खंड महेवा क्षेत्र की ग्राम पंचायत अंदावा के मजरा मड़ैया में शमसान घाट की ओर जाने वाली सड़क पर जलभराव और बड़े-बड़े गड्ढों के चलते ग्रामीणों एवं राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वहीं यह मुख्य सड़क अंदावा यमुना नदी के श्मशान घाट की ओर जाती है जहां पर सेकडो गावो के लोग आते जाते हैं ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की स्थिति खराब होने के कारण आए दिन लोगों को गड्ढों और भरे पानी के बीच से होकर निकलना पड़ता है।

बारिश के बाद बढ़ जाती है समस्या

ग्रामीणों के अनुसार सड़क पर जलनिकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण पानी जमा रहता है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढों में जलभराव होने से सड़क की स्थिति और खराब हो गई है। इससे पैदल राहगीरों के साथ ही बाइक सवारों को भी निकलने में दिक्कत होती है।

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग उठाई

गांव के अजय, जितेंद्र, देवेंद्र, प्रदीप, राधेश्याम आदि ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से समस्या का संज्ञान लेकर सड़क का निर्माण कराने तथा जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क का निर्माण होने से गांव के लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी और जलभराव की समस्या से भी काफी हद तक निजात मिल सकेगी।

सीबीएसई नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप में पृथ्वीराज सिंह चौहान ने जीते 2 रजत पदक

लोक हस्तक्षेप संवाददात

गुरुग्राम । उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ स्थित हरिश्चंद्र मिश्रा पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित 7 दिवसीय सीबीएसई बॉयज़ नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप में गुड़गांव के युवा तीरंदाज़ पृथ्वीराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार सफलता हासिल की है। प्रतियोगिता में देश के सभी ज़ोन्स से आए प्रतिभावान खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। जिला तीरंदाजी संघ गुरुग्राम के सचिव व कोच कपिल कौशिक का कहना है कि सैक्टर 84 स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल के 8वीं कक्षा के छात्र पृथ्वीराज सिंह चौहान ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 2 रजत पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता के कंपाउंड राउंड के तहत पृथ्वीराज ने रैंकिंग राउंड में बेहतरीन निशाना साधते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया। इसके बाद इंडिविजुअल मुकाबले में भी उन्होंने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए सिल्वर मेडल पर कब्ज़ा जमाया। इंडिविजुअल फाइनल मुकाबले में पृथ्वीराज का मुकाबला आर्मी पब्लिक स्कूल, असम के 11वीं कक्षा के वरिष्ठ खिलाड़ी से था। उम्र और कक्षा में अंतर होने के बावजूद, पृथ्वीराज ने ज़रा भी दबाव महसूस नहीं किया। उन्होंने गजब का आत्मविश्वास और अनुशासन दिखाते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर दी और उपविजेता बनकर राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक अपने नाम किया। पृथ्वीराज की इस शानदार उपलब्धि से गुड़गांव का नाम पूरे देश में रोशन हुआ है। उनकी इस सफलता पर गुड़गांव तीरंदाजी संघ के प्रधान पवन शर्मा, सचिव कपिल कौशिक, एसोसिएशन के सदस्य संदीप हुड्डा, डीएवी स्कूल, सेक्टर-84 के प्रधानाचार्य, शिक्षकों और जिला प्रशासन ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह का उत्कृष्ट प्रदर्शन करना पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। संघ ने पृथ्वीराज, उनके परिवार, कोच और स्कूल परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अधिकारियों ने सुनी ग्रामीणों की समस्या किया निदान

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

महेवा । स्थानीय ब्लॉक सभागार महेवा में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित हो रहे सात दिवसीय मेले के छठवें दिन ब्लॉक स्तरीय समस्त अधिकारियों ने बैठकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना तथा निदान किया वहीं सर्वाधिक रूप से पेंशन से संबंधित समस्याएं आई ।खंड विकास अधिकारी महेवा बृज बिहारी त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित हो रहे मेले में जहां दर्जन भर से अधिक विभागों के स्टाल लगे हैं वहीं अधिकारी पूरे समय बैठकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर निदान कर रहे हैं।

सोनू अग्रवाल बने उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के शहर अध्यक्ष

नई शहर कमेटी का गठन, नवनियुक्त पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

इटावा। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश की इटावा शहर कमेटी में फेरबदल करते हुए नई कमेटी का गठन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूलमालाएं पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया तथा उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष सर्वेश चौहान एवं जिला अध्यक्ष आलोक दीक्षित ने नवनियुक्त शहर अध्यक्ष सोनू अग्रवाल, युवा शहर अध्यक्ष इवादुर्रहमान, शहर मंत्री निशेष एवं शिवम वर्मा, शहर उपाध्यक्ष दीपक वर्मा, हाफिज खान, आनंद वर्मा एवं रजनी दुबे, शहर कोषाध्यक्ष राजीव तथा युवा जिला संगठन मंत्री हसीन वारिस सहित अन्य पदाधिकारियों का स्वागत किया।

इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाकर उनके समाधान के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जाएगा। साथ ही संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए संगठन लगातार संघर्ष करता रहेगा।कार्यक्रम में जिला महामंत्री अभय टंडन, जिला कोषाध्यक्ष कामिल कुरैशी, जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार कठेरिया, चमन वारसी, अशोक जाटव, हाजी शेख आफताब, हाजी हन्नान मंसूरी, बृजेश राठौर, सुनील कुशवाहा, युवा जिला अध्यक्ष रियाज, उद्योग मंच के जिला अध्यक्ष राहुल दीक्षित, महिला शहर अध्यक्ष पूर्वी, चित्रा परिहार, मीरा राजपूत, खुशी सक्सेना, करिश्मा एवं स्वीटी मथुरिया सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सोनू अग्रवाल बने उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के शहर अध्यक्ष

नई शहर कमेटी का गठन, नवनियुक्त पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

इटावा। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश की इटावा शहर कमेटी में फेरबदल करते हुए नई कमेटी का गठन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूलमालाएं पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया तथा उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष सर्वेश चौहान एवं जिला अध्यक्ष आलोक दीक्षित ने नवनियुक्त शहर अध्यक्ष सोनू अग्रवाल, युवा शहर अध्यक्ष इवादुर्रहमान, शहर मंत्री निशेष एवं शिवम वर्मा, शहर उपाध्यक्ष दीपक वर्मा, हाफिज खान, आनंद

वर्मा एवं रजनी दुबे, शहर कोषाध्यक्ष राजीव तथा युवा जिला संगठन मंत्री हसीन वारिस सहित अन्य पदाधिकारियों का स्वागत किया।

इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाकर उनके समाधान के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जाएगा। साथ ही संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए संगठन लगातार संघर्ष करता रहेगा।

कार्यक्रम में जिला महामंत्री अभय टंडन, जिला कोषाध्यक्ष कामिल कुरैशी, जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार कठेरिया, चमन वारसी, अशोक जाटव, हाजी शेख आफताब, हाजी हन्नान मंसूरी, बृजेश राठौर, सुनील कुशवाहा, युवा जिला अध्यक्ष रियाज, उद्योग मंच के जिला अध्यक्ष राहुल दीक्षित, महिला शहर अध्यक्ष पूर्वी, चित्रा परिहार, मीरा राजपूत, खुशी सक्सेना, करिश्मा एवं स्वीटी मथुरिया सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

माँ बेटी पर जानलेवा हमले में पुलिस ने किया खेल , शांति भंग में किया चालान

करणी सेना ने पुलिस कार्यशैली पर उठाए सवाल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता ऊंचाहार , रायबरेली । जगतपुर थाना क्षेत्र के उड़वा गांव में बुधवार की सुबह कार से स्कूल छोड़ने जा रही महिला और उसकी मासूम बेटी पर हुए जानलेवा हमले व अपहरण की कोशिश के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज होने के कुछ ही घंटे बाद बड़ा खेल कर दिया । दर्ज प्राथमिकी से इतर पुलिस ने आरोपितों को शांति भंग में चालान कर दिया । हालांकि एसडीएम ने उन्हें जेल भेज दिया है । ज्ञात हो कि बुधवार उड़वा गांव के कुंवर मोहित सिंह की पत्नी रिद्धिमा सिंह पर उस समय हमला कर दिया, जब वह अपनी मासूम बेटी को कार से स्कूल छोड़ने जा रही थीं। इस हमले में मां-बेटी दोनों घायल हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल खूब वायरल हुआ । देर शाम पुलिस ने रितेश मिश्र , शिवम मिश्र , आयुष मिश्र तथा 6-7 अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध जानलेवा हमला , अपहरण की कोशिश सहित कई संगीन धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की थी । पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों रितेश, शिवम और आयुष मिश्रा को हिरासत में लिया था । उसके बाद पुलिस ने कुछ ही घंटे में खेल कर दिया । पीड़ित महिला के पति मोहित सिंह ने बताया कि पुलिस ने रात में ही ज़बरन बयान लिया था । गुरुवार को पुलिस के तीनों गिरफ्तार युवकों के विरुद्ध शांति भंग करने की कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया । हालाँकि एसडीएम ने उनकी जमानत खारिज करते हुए उन्हें जेल भेज दिया है । सीओ गिरजा शंकर त्रिपाठी ने बताया कि पूरे प्रकरण की जांच चल रही है । प्राप्त साक्ष्य के अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी ।

गुरुग्राम में अग्रसेन जयंती के मुख्य अतिथि होंगे मंत्री विपुल गोयल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम । अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन तथा अग्रवाल सभा गुरुग्राम के संयुक्त तत्वावधान में 10 अक्टूबर, शनिवार को श्री महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह गुरुग्राम के गुरुद्वारा रोड स्थित अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए वैश्य महासम्मेलन गुरुग्राम के प्रधान डॉ. मंदीप किशोर गोयल ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल होंगे और पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल इसकी अध्यक्षता करेंगे। दीप प्रज्वलन सायं 7 : 30 बजे और प्रसाद सहभोज रात्रि 8 : 30 बजे रखा गया है। शहर के प्रमुख समाजसेवी डॉ. मंदीप गोयल के अनुसार इस अवसर पर एक शानदार कवि सम्मेलन भी होगा, जिसमें दिनेश रघुवंशी, खुशबू शर्मा, अनिल अग्रवंशी, पवन आगरी आदि कई विश्व प्रसिद्ध कवियों को आमंत्रित किया गया है। समारोह को सफल बनाने के लिए जहां महासम्मेलन व सभा के सैकड़ों लोग तन-मन-धन से जुटे हुए हैं, वहीं महिला कोर कमेटी की मीना गर्ग, सविता आर्या, डाली गुप्ता, बबीता, राखी मित्तल, स्नेहा गुप्ता, सहित दर्जनों सी. मेम्बरों का योगदान भी किसी से कम नहीं है। आयोजकों का कहना है कि वैश्य एकता हमारी शक्ति और समाज सेवा हमारा संकल्प है।

महिलाओं का खाता खुलवाने में फर्जी बाड़े की आशंका

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

महेवा। सरकारी रुपये आने की चाह में कुछ एन जी ओ एवं समूह के द्वारा जुड़ी महिलाओं द्वारा गांव गांव जाकर महिलाओं के जीरो बैलेंस पर तो कंही सौ से पांच सौ रुपए लेकर खाते खुलवाने का कार्य जोरो पर किया जा रहा है जिससे न केवल फर्जी बाड़े की आशंका बढ़ गई है बल्कि गांव के लोगों के साथ साइबर धोखा धड़ी भी हो सकती है ।

विदित हो कि गुरुवार को क्षेत्र के महेवा , बम्हौरा ,निवाड़ी खुर्द ,पुरावली आदि गावो में समूह से जुड़ी कुछ महिलाएं तथा कुछ एन जी ओ से जुड़े लोग ग्रामीण महिलाओं से चुनाव के पूर्व मुख्यमंत्री योगी जी द्वारा तीस हजार रुपए भेजने तथा आगे यदि सपा सरकार बनती है तो चालीस हजार रुपए आने की बात कहकर नए खाते खोलने के लिए मजबूर कर रहे हैं जिससे महिलाये झांसे में आकर अपना आधार कार्ड ,पेन कार्ड तथा मोबाइल नंबर लेकर खाते खुलवाने की बात कहती है जबकि डी एम से लेकर अन्य किसी भी अधिकारी का न तो ऐसा आदेश है नहीं किसी भी विभाग की कोई योजना है लेकिन इस सबके बाबजूद समूह से जुड़ी महिलाएं आगे है ।जब इस बारे में ब्लॉक महेवा के बी पी एम आशुतोष चौहान से बात की तो उन्होंने कहा कि ऐसा कोई भी आदेश नहीं है न ही राष्ट्रीय आजीविका मिशन से कोई योजना है केवल नए समूह गठन तथा समूहों से जुड़ने वाली महिलाओं के खाते खोले जाते है यदि रुपए आने के लालच या फिर अन्य तरीके से कोई खाता खोल रहा है तो सचेत रहे ।

कानपुर में बेबी ओलंपिक गेम्सःतीसरे दिन नन्हे खिलाड़ियों ने दिखाया दम; माताओं ने हैंडबॉल मैच खेला

कानपुर,एजेंसी।कानपुर में आयोजित 'बेबी ओलंपिक गेम्स 2026' के तीसरे दिन नन्हे खिलाड़ियों का जोश और आत्मविश्वास देखते ही बन रहा था। खेल के तीसरे दिन जिमनास्टिक, शतरंज, वेटलिफ्टिंग, हैंडबॉल और स्केटिंग की शानदार प्रतियोगिताएं हुई। इन मुकाबलों में विभिन्न आयु वर्गों के बच्चों ने अपनी बेहतरीन खेल प्रतिभा, अनुशासन और खेल भावना का मुजाहिरा कर दर्शकों का दिल जीत लिया।

बिग बॉस में पर्याप्त समय नहीं मिल पाने से निराश है ईशा रिखी

बिग बॉस -20 शो से कम समय में बाहर निकलने पर पंजाबी अभिनेत्री ईशा रिखी ने अपनी निराशा व्यक्त की है। शो में कम समय की इस यात्रा को लेकर अभिनेत्री का मानना है कि उन्हें रियलिटी शो के अंदर अपनी वास्तविक पर्सनैलिटी को दर्शकों के सामने रखने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाया। ईशा रिखी ने एक बातचीत में कहा, अगर मैं शो में ज़्यादा दिन तक रुक पाती, तो मैं दर्शकों को दिखाती कि मैं किन बातों पर प्रतिक्रिया करती हूं, लेकिन मेरे अंदर की ये बातें सामने ही नहीं आईं। उन्होंने बताया कि घर के ज़्यादातर सदस्यों के साथ उनके अच्छे रिश्ते थे, और बहुत कम लोग थे जिन्हें वह नापसंद करती थीं या जो उन्हें नापसंद करते थे। उन्होंने कहा, वहाँ 16 लोग थे, जिनमें से 14 लोग मेरे साथ बहुत अच्छे थे और मैं भी उनके साथ अच्छी थी। लेकिन समय के साथ जब हम एक-दूसरे की कमियाँ देखने लगते हैं, तब चीजें बदलती हैं और मुझे वह समय ही नहीं मिला और मैं बाहर आ गई। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि उन्हें इस बात का दुख रहेगा कि दर्शक उनकी असली पर्सनैलिटी को ठीक से नहीं जान पाए। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि शो से बाहर होने का कारण उनका खुद का गेम अच्छा न खेलना था। काज़ी जी से जुड़े एक विवादित पल के बारे में पूछने पर माही ने ईशा पर सवाल उठाए थे, तो ईशा ने स्पष्ट किया, नहीं, काज़ी मुझसे बात करने के लिए नहीं आए थे, बल्कि उन्हें जो कुछ भी कहना था, वह मेरे पीछे से कह रहे थे। माही की टिप्पणी पर ईशा ने कहा, माही जिस तरह की अभिनेत्री हैं और जैसा उनका सफर रहा है, मुझे लगता है कि उन्हें दूसरों के पास जाकर बातें कहने की बजाय सीधे मेरे सामने आकर बात करनी चाहिए थी। इसलिए वहाँ मुझे थोड़ा अच्छा नहीं लगा। माही के एक और आरोप पर, जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ ड्रामे के लिए लोग ईशा को दोष दे सकते हैं।

या उनके पूर्व पति बादशाह के साथ उनके अनुभव ने कुछ स्थितियों में उनकी प्रतिक्रिया को प्रभावित किया है, ईशा रिखी ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि ये माही की अपनी राय थी और उन्होंने एक कहानी बना दी। अगर उन्होंने सच में इस बारे में सोचा होता, तो वो मेरे पीछे दूसरों से बात करने के बजाय सीधे मुझसे बात करतीं। इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें मुझसे बात करनी चाहिए थी। मुझे नहीं लगता कि ये इतनी बड़ी बात थी। मालूम हो कि ईशा रिखी इन दिनों बिग बॉस-20 में अपनी अल्पकालिक यात्रा को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं।

अनमोल टीवी के 'हमारी राधा' में भावुक मोड़: गिरधर के कहने पर राधा को छोड़ना होगा अपना घर

ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेस लिमिटेड के फ्री-टू-एयर हिंदी जनरल एंटरटेनमेंट चैनल अनमोल टीवी के पहले ओरिजिनल शो 'हमारी राधा' में राधा (सिमरन कौर) और गिरधर (अक्षय म्हात्रे) के रिश्ते में एक बेहद भावुक मोड़ आने वाला है। दोनों की शादी में आई दूरियाँ अब उस मोड़ पर पहुँच चुकी हैं, जहाँ उनका रिश्ता टूटने की कगार पर है। शनाया (वैदेही नायर) लगातार गिरधर पर राधा को अपनी जिंदगी से दूर करने का दबाव बना रही है।आखिरकार गिरधर भारी मन से राधा से घर छोड़ने के लिए कह देता है। वह राधा से कहता है कि अब वह उससे प्यार नहीं करता और सिर्फ अपने बेटे कियान की वजह से अब तक उसके साथ रह रहा था। गिरधर की ये बातें सुनकर राधा बुरी तरह टूट जाती है। फिर भी वह उससे दूर न जाने की गुहार लगाती है और उस परिवार और शादी को बचाए रखने की कोशिश करती है, जिसके लिए उसने अब तक बहुत कुछ सहा है।लेकिन, गिरधर अपने फैसले पर कायम रहता है और राधा से कियान के साथ घर छोड़ने के लिए कहता है। साथ बिताए पलों और पुरानी यादों के बीच राधा खुद को संभाल नहीं पाती। उसे यकीन ही नहीं होता कि जिस घर को उसने कभी अपना माना था, अब वहाँ उसके लिए कोई जगह नहीं है। इस मुश्किल पल में भी राधा के मन में कहीं न कहीं यह उम्मीद बनी रहती है कि गिरधर उसे रोक लेगा और अपने परिवार की अहमियत समझेगा।

आखिरकार राधा गिरधर के साथ मिलकर बनाए उस घर से चली जाती है। तो क्या यह उनके रिश्ते का अंत है? क्या गिरधर का यह फैसला शनाया को वह सब पाने के और करीब ले जाएगा, जो वह चाहती है? या राधा के चले जाने के बाद गिरधर को उस परिवार की अहमियत समझ आएगी, जिसे वह खुद से दूर कर रहा है? गिरधर से दूर होकर राधा की जिंदगी में शुरू होने वाला यह नया अध्याय क्या उनके रिश्ते को तलाक की ओर ले जाएगा या इस दूरी के बाद भी उनके रिश्ते को बचाने की कोई उम्मीद बाकी रहेगी

देखिए 'हमारी राधा', हर रात 9:30 बजे, सिर्फ अनमोल टीवी पर।

गावस्कर-शास्त्री के साथ कपिल के शो में क्रिकेट की यादों पर ठहाके

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में दोनों दिग्गजों ने साझा किए मैदान और ड्रेसिंग रूम के किस्से

इंदौर । नेटफ्लिक्स के 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के सीजन 5 में क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री एक साथ नजर आएंगे। कपिल शर्मा के साथ बातचीत में दोनों ने क्रिकेट के मैदान से जुड़े पुराने किस्से, यादें और अनुभव साझा किए। रवि शास्त्री की शो में यह पहली मौजूदगी है। शो के दौरान कपिल शर्मा ने वेस्टइंडीज की तेज गेंदबाजी वाली टीम का जिक्र करते हुए सुनील गावस्कर से बिना हेलमेट बल्लेबाजी करने को लेकर सवाल किया। गावस्कर ने अपने अंदाज में इसका जवाब देते हुए तेज गेंदबाजों का सामना करने के पुराने अनुभव साझा किए। नवजोत सिंह सिद्धू ने भी भारतीय टीम में अपने शुरुआती दिनों और रवि शास्त्री के साथ कमरा साझा करने से जुड़ा मजेदार किस्सा सुनाया।

संन्यास से आईपीएल तक, क्रिकेट के बदलते दौर पर चर्चा : गावस्कर ने 38 वर्ष की उम्र में संन्यास लेने के अपने फैसले से जुड़ी बातें साझा कीं। वहीं सिद्धू ने आईपीएल के आने के बाद क्रिकेट में आए बदलावों का जिक्र किया। बातचीत के दौरान पुराने दौर के क्रिकेट और मौजूदा समय के क्रिकेट के बीच अंतर पर भी हास्यपूर्ण अंदाज में चर्चा हुई। एपिसोड में सुनील ग्रोवर कपिल देव के किरदार में नजर आए। उन्होंने कपिल शर्मा, सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री को लेकर अपने अंदाज में मजाक किया, जिससे माहौल और भी हास्यपूर्ण हो गया। क्रिकेट के पुराने किस्सों, ड्रेसिंग रूम की यादों और कॉमेडी से भरपूर यह एपिसोड शनिवार रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगा।

विश्वगुरु की कहानी ने जीता दिल: मुकेश खन्ना

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता मुकेश खन्ना लंबे अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। मुकेश खन्ना अपकमिंग फिल्म 'विश्वगुरु' में नजर आएंगे। अभिनेता का फिल्म को लेकर कहना है कि इसकी कहानी ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि वह इस प्रोजेक्ट से जुड़ने के लिए तैयार हो गए। काफी समय से फिल्मों से दूरी बनाए रखने वाले मुकेश खन्ना ने कहा कि इस फिल्म का विषय उनके सामने आया तो वह खुद को इसका हिस्सा बनने से रोक नहीं सके। एक बातचीत में मुकेश खन्ना ने फिल्मों में कम नजर आने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा कि वह अब काम की तलाश में इधर-उधर नहीं घूमते और न ही किसी

भूमिका के लिए निर्माताओं के पीछे भागते हैं। उनके मुताबिक, अभिनय को लेकर उनका नजरिया स्पष्ट है। यदि उन्हें कोई मजबूत और अच्छी भूमिका मिलती है, तो वह उसे स्वीकार करने में रुचि रखते हैं। 'विश्वगुरु' के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि फिल्म में सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि कई दिलचस्प कहानियों को आपस में जोड़ा गया है। उनका मानना है कि इन कहानियों का ताना-बाना दर्शकों को बांधे रखेगा। उन्होंने यह भी याद किया कि बड़े पर्दे पर बड़े स्तर पर रिलीज हुई उनकी पिछली फिल्मों में देव आनंद की 'सेंसर' शामिल थी। ऐसे में लंबे अंतराल के बाद 'विश्वगुरु' के साथ सिनेमाघरों में लौटना उनके लिए खास अनुभव है। फिल्म साइन करने से पहले भाषा को लेकर मुकेश खन्ना के मन में कुछ संकोच था।

सलमान के बारे पूछा सवाल तो अरबाज खान ने किया नजरअंदाज

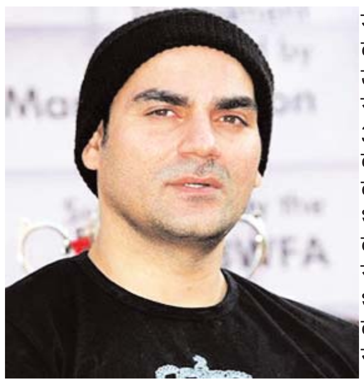

मुंबई ।हाल ही में मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेता और निर्माता अरबाज खान ने पैपराजी से बातचीत की।जब अरबाज से उनके भाई सलमान खान से जुड़ा सवाल पूछा गया तो अरबाज ने सवाल का जवाब देने के बजाय उसे नजरअंदाज कर दिया।वायरल हो रहे एक वीडियो में पैपराजी ने अरबाज खान से सलमान खान के हालिया बयान को लेकर सवाल किया।जैसे ही सवाल में सलमान खान का नाम आया, अरबाज ने बात काटते हुए कहा, 'एक्सक्यूज मी... थैंक यू, थैंक यू।' इसके बाद वह आगे बढ़ गए और कार्यक्रम से जुड़े दूसरे लोगों की ओर जाने लगे।हालांकि, कुछ कदम आगे जाने के बाद अरबाज अचानक वापस पैपराजी के पास आए और उनसे ही सवाल कर दिया।अरबाज ने पूछा, 'क्या वो जूलरी से रिलेटेड था? आज के इवेंट से रिलेटेड था वो सवाल?' इसके बाद वह वहां से आगे बढ़ गए।वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर अरबाज के इस रिएक्शन को लेकर चर्चा शुरू हो गई।हालांकि, उन्होंने सलमान खान से जुड़े सवाल पर कोई सीधा जवाब नहीं दिया।दरअसल, जिस बयान को लेकर अरबाज से सवाल पूछा गया था, वह सलमान खान के छोटे भाई सोहेल खान से जुड़ा है।'बिग बॉस 20' के एक एपिसोड में सोहेल खान के बदले हुए लुक को लेकर सोशल मीडिया पर की जा रही टिप्पणियों का जिक्र हुआ था।इस दौरान सलमान ने बॉडी-शेमिंग और दूसरों के रूप-रंग पर टिप्पणी करने वालों को कड़ी फटकार लगाई थी।

भतन धर्म पर गर्व करने वालों को छोटा या संकीर्ण मानसिकता का समझते हैं

उनकी सोच पर सवाल उठाया

मुंबई । अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा, जो इन दिनों फिल्म महाकाव्य श्री रामायण कथा में माता सीता के पवित्र किरदार में नजर आ रही हैं, ने हाल ही में भक्ति और इंसानियत के गहरे अर्थ पर अपने विचार साझा किए हैं। अभिनेत्री का स्पष्ट मानना है कि भक्ति और इंसानियत का किसी विशेष धर्म से कोई सीधा संबंध नहीं होता है, ये दोनों ही भावनाएं धार्मिक सीमाओं से परे हैं। उन्होंने उन लोगों को भी आड़े हाथों लिया जो सनावान राम की कहानी पर आधारित इस भव्य फिल्म में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। धार्मिक पहचान जाहिर करने पर लोगों को अक्सर ट्रोल किए जाने के सवाल पर, अंजलि ने अपनी राय रखते हुए कहा कि सच्ची आस्था केवल पूजा-पाठ और कर्मकांडों में ही नहीं दिखनी चाहिए, बल्कि आपके दूसरों के साथ व्यवहार और मानवता के प्रति आपके दृष्टिकोण में भी झलकनी चाहिए। उन्होंने कहा, ऐसे लोग सिर्फ धर्म में तो यकीन रखते हैं, लेकिन इंसानियत में नहीं। जो व्यक्ति वास्तव में भगवान में विश्वास रखता है, वह हर धर्म में विश्वास रखेगा। मैं हिंदू हूं, और अगर मेरे सामने कोई मुस्लिम व्यक्ति भी बैठा होगा, तो मैं उसे एक सामान्य इंसान की तरह ही देखूंगी, उसमें कोई भेद नहीं करूंगी। महाकाव्य श्री रामायण कथा के सेट पर अपने

अनुभवों को याद करते हुए, अंजलि ने बताया कि क्रू के कई सदस्य, जैसे स्पॉट दादा, लाइट दादा और म्यूजिक डायरेक्टर, मुस्लिम समुदाय से थे। फिर भी, उन्होंने पूरी निष्ठा और श्रद्धा के साथ फिल्म के भक्ति संगीत में अपना योगदान दिया। उन्होंने भगवान राम के गीत गाए और संगीत तैयार किया, यह साबित करते हुए कि किसी व्यक्ति का धर्म यह तय नहीं करता कि वह किसी प्रोजेक्ट में अपना योगदान दे सकता है या नहीं। उनके अनुसार, महत्वपूर्ण यह है कि व्यक्ति के अंदर वह अनुशासन और समर्पण हो, जो हमारे शास्त्र हमें सिखाते हैं। बता दें कि महाकाव्य श्री रामायण कथा में अंजलि अरोड़ा ने माता सीता का किरदार निभाया है।

जयपुर में 'धूड़' का ट्रेलर जारी, 23 अक्टूबर को रिलीज होगी राजस्थानी फिल्म

जयपुर । राजस्थान की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म 'धूड़ (सैंडस्टॉर्म)' का आधिकारिक ट्रेलर जयपुर में जारी किया गया।आनंद सिंह चौहान के लेखन और निर्देशन में बनी यह फिल्म 23 अक्टूबर को राजस्थान सहित देश के चुनिंदा सिनेमाघरों में रिलीज होगी।ट्रेलर लॉन्च के अवसर पर फिल्म के कलाकार और पूरी टीम मौजूद रही।फिल्म की कहानी 1990 के दशक के शुरुआती दौर के राजस्थान में स्थापित है।इसमें लालच, अधिकार, मजबूरी और पारिवारिक विरासत को बचाने की जद्दोजहद के बीच रिश्तों और महत्वाकांक्षाओं के टकराव को दिखाया गया है।ट्रेलर में राजस्थान के सामाजिक परिवेश, पारिवारिक संघर्ष और किरदारों के बीच बढ़ते तनाव की झलक मिलती है।फिल्म में यशपाल शर्मा, अलका अमीन, भवानी सिंह चौहान, विवेक पारीक, प्रवीण चौधरी और वानिकी त्यागी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।फिल्म का संगीत मेहुल सुरती ने तैयार किया है।निर्माताओं के अनुसार, फिल्म में राजस्थान की संस्कृति, परंपराओं और प्राकृतिक परिवेश को कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया है।निर्देशक आनंद सिंह चौहान ने कहा कि 'धूड़' की कहानी राजस्थान की मिट्टी से निकली है, लेकिन इसके केंद्र में परिवार, महत्वाकांक्षा, अधिकार, भय और रिश्तों जैसी भावनाएं हैं, जिनसे हर दर्शक जुड़ सकता है।उन्होंने कहा कि फिल्म में उस दौर, स्थान और संस्कृति को प्रामाणिक रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।फिल्म का निर्माण समर जैन, नरेंद्र कृष्णिया, मुकेश पारीक, डी.एस. चौहान और अभिषेक चोपड़ा ने किया है।मिराज सिनेमाज इसके वितरण में सहयोग कर रहा है।निर्माताओं का कहना है कि फिल्म के जरिए राजस्थानी कहानी और संस्कृति को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।अभिनेता यशपाल शर्मा ने कहा कि फिल्म की कहानी और किरदारों की जटिलता ने उन्हें इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया।उनके अनुसार, कहानी राजस्थान से जुड़ी होने के बावजूद परिवार, महत्वाकांक्षा और रिश्तों का संघर्ष सार्वभौमिक है।'धूड़' 23 अक्टूबर को राजस्थान के सिनेमाघरों के साथ देश के चुनिंदा सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रंगसंसार रकुल प्रीत सिंह ने अफवाहों का किया खंडन

हिंदी, तेलुगु और तमिल सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में उनके नाम से जुड़ी आयकर विभाग की तलाशी और अटकलों वाली खबरों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए इन सभी रिपोर्ट्स को झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताया है। एक्ट्रेस ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि कथित आयकर तलाशी का संबंध उनसे नहीं था। रकुल प्रीत सिंह ने जोर देकर कहा कि वह सशस्त्र बलों के परिवार से आती हैं और इंडस्ट्री में उनका कोई गॉडफादर नहीं रहा है। उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया है और एक जिम्मेदार, कानून का पालन करने वाली नागरिक के तौर पर 20 साल की उम्र से ही अपने सभी आवश्यक टैक्स ईमानदारी से भरती आ रही हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह व्यक्तिगत तौर पर या किसी प्रोडक्शन हाउस की तरफ से किसी भी तरह के गैर-कानूनी विदेशी पैसे के लेन-देन में शामिल नहीं हैं। रकुल प्रीत ने साफ शब्दों में कहा, मैं यह भी साफ करना चाहती हूं कि देश या विदेश में कहीं भी किसी और की तरफ से मेरे नाम पर कोई बेनामी प्रॉपर्टी नहीं है। न ही किसी ने मुझे कभी कोई प्रॉपर्टी गिफ्ट की है और न ही सिद्धांत के तौर पर मैं ऐसे महंगे गिफ्ट स्वीकार करती हूं।

डीपफेक वीडियो पर जान्हवी भड़कीं बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने इंटरनेट पर वायरल हो रहे अपने यौन रूप से अश्लील डीपफेक वीडियो पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन मंय एक लंबा और सशक्त नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने डीपफेक वीडियो बनाने वालों की कड़ी आलोचना की और इस तरह के कंटेंट को यौन उत्पीड़न के बराबर बताया। जान्हवी कपूर ने उन लोगों की कड़ी आलोचना की जो सहमति के कॉन्सेप्ट को समझने में विफल रहते हैं और टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल कर महिलाओं को वस्तु की तरह दिखाते हैं। उन्होंने लिखा, महिलाओं को ऑब्जेक्ट की तरह दिखाने और बिना सहमति के मनगढ़ंत कंटेंट फैलाने के लिए टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल करना बहुत गलत है और यह यौन उत्पीड़न के समान है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि उनकी इंडस्ट्री में लगभग हर महिला ने कभी न कभी इसका सामना किया है, और हर जगह महिलाएं इसका शिकार हो रही हैं। अभिनेत्री ने सहमति, पसंद और महिला के शरीर के सम्मान को इंसानियत की सबसे बुनियादी बातें बताया, लेकिन अफसोस व्यक्त किया कि इन्हें मुश्किल माना जाता है।

मोहसिन ने तमन्ना संग किया निकाह: टीवी एक्टर मोहसिन खान, जिन्हें ये रिश्ता क्या कहलाता है में कार्तिक के किरदार से घर-घर में पहचान मिली, अब अपनी मंगेतर तमन्ना के साथ शादी के बंधन में बंध गए हैं। दोनों ने लॉस एंजिलस में एक-दूसरे का हाथ थामा और हमेशा के लिए हमसफर बन गए। मोहसिन खान ने अपनी शादी की कई तस्वीरें साझा करने के बजाय, फैंस के साथ सिर्फ एक खास झलक साझा की है। उन्होंने अपनी पत्नी के साथ एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जिसमें दोनों कपल डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि, इस तस्वीर में लड़की का चेहरा साफ नजर नहीं आ रहा है, लेकिन मोहसिन ने कैप्शन में लिखा, वो दिन माशाअल्लाह, जिससे उनकी खुशी साफ झलक रही है। फैंस को यह बताते हुए खुशी होगी कि मोहसिन ने अगस्त महीने में अचानक अपनी सगाई की खबर देकर सबको हैरान कर दिया था। उस समय उन्होंने तमन्ना के साथ अपनी सगाई की खूबसूरत तस्वीरें भी साझा की थीं, जिसके बाद से ही उनके प्रशंसक बेसब्री से उनकी शादी का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार, 3 अक्टूबर को मोहसिन और तमन्ना ने निकाह कर लिया, जिससे उनके चाहने वालों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

अविनाश मिश्रा बने खतरों के खिलाड़ी: कई महीनों तक चले मुश्किल और खतरनाक स्टंट के बाद, एक्टर अविनाश मिश्रा रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 के विजेता बनकर उभरे हैं। होस्ट रोहित शेट्टी से ट्रॉफी लेते समय अविनाश की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े, जो उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ता का प्रमाण था। यह स्टंट-आधारित रियलिटी शो, जो पिछले साल ऑन-एयर नहीं हुआ था, दो साल के अंतराल के बाद धमाकेदार वापसी कर रहा था। एक्शन स्टार रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए गए इस रोमांचक सीजन का समापन अविनाश मिश्रा के ट्रॉफी जीतने के साथ हुआ, जबकि ऋत्विक धनजानी और ओरहान अवत्रामणि (ओरी) क्रमशः पहले और दूसरे रनर-अप रहे।

फीफा रैंकिंग: स्पेन टॉप पर बरकरार, पुर्तगाल पांचवें नंबर पर

ज्यूरिख एजेंसी।। फीफा वर्ल्ड रैंकिंग में विश्व चैंपियन स्पेन ने अपना पहला स्थान बरकरार रखा है। ताजा रैंकिंग में पुर्तगाल और स्विट्जरलैंड को फायदा हुआ है। दोनों टीमें 2-2 स्थान ऊपर चढ़कर क्रमशः पांचवें और 12वें नंबर पर पहुंच गई हैं। अर्जेंटीना दूसरे नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, कोटे डी आइवर, स्वीडन, ग्रीस, माली और साउथ अफ्रीका को भी ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है। स्पेन ने जुलाई में वर्ल्ड रैंकिंग में अर्जेंटीना को हटाकर टॉप पर जगह बनाई थी। इसकी वजह फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में 1-0 से जीत थी। स्पेन ने उसके बाद से अपने सभी चार मैच जीते हैं और पुरुषों के इंटरनेशनल फुटबॉल का रिकॉर्ड बिना हारे 42 मैचों तक पहुंचा दिया है। स्पेन के बाद अर्जेंटीना, फ्रांस और इंग्लैंड का नंबर आता है, लेकिन पुर्तगाल पांचवें नंबर पर पहुंच गया, जिससे ब्राजील और मोरक्को क्रमशः छठे और सातवें नंबर पर आ गए। फीफा की रिपोर्ट के मुताबिक, नए कोच जॉर्ज जीसस के अंडर पुर्तगाल ने हाल ही में यूईएफए नेशंस लीग के अपने चारों गेम जीते, जिसमें नॉर्वे और डेनमार्क के खिलाफ मैच भी शामिल हैं।

वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर-फाइनलिस्ट स्विट्जरलैंड ने भी चार जीत हासिल कीं - तीन में 3-0 का स्कोर रहा। मूरत याकिन की टीम के लिए जेकी अमदौनी और डैन नडोये ने शानदार प्रदर्शन किया। स्विस टीम ने जर्मनी और क्रोएशिया को पीछे छोड़ दिया, जो 13वें और 14वें स्थान पर आ गए।

ऑस्ट्रेलिया (2 स्थान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर), कनाडा (3 स्थान ऊपर 27वें स्थान पर), कोटे डी आइवर (2 स्थान ऊपर 29वें स्थान पर) और स्वीडन (3 स्थान ऊपर 34वें स्थान पर) ने रैंक में ऊपर चढ़े। ग्रीस भी 5 स्थान ऊपर चढ़ते हुए 41वें स्थान पर पहुंच गया है। इवान जोवानोविक की टीम ने नेशंस लीग ए के अपने दो गेम जीते और दो ड्रॉ खेले, जर्मनी को 1-0 से हराया और नीदरलैंड्स को घर पर रोका।

माली और साउथ अफ्रीका छह-छह पायदान ऊपर चढ़कर 47वें और 48वें स्थान पर आ गए। डोर्गेलेस ने और टीनएज में शानदार प्रदर्शन करने वाली एंज मार्शल टिया से प्रेरित होकर, एंथनी डा सिल्वा की ईगल्स ने काबो वर्डे और लाइबेरिया को हराया, और मोरक्को में ड्रॉ खेला। बाफाना बाफाना ने गिनी और इरिट्रिया को हराया, और इससे पहले गोलकीपर सिफो चेन ने मिस्र में 1-0 की जीत में शानदार प्रदर्शन किया।

जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन ने छोड़ा पंजाब किंग्स का साथ, ऑस्ट्रेलिया में मिली नई जिम्मेदारी

ई दिल्ली एजेंसी।। ऑस्ट्रेलियाई कोच जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन ने पंजाब किंग्स का साथ छोड़ दिया है। जानकारी के अनुसार, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 में ये दोनों पूर्व खिलाड़ी टीम के साथ नजर नहीं आएंगे। इससे पहले, टीम के स्पिन गेंदबाजी कोच सैराज बहुतुले भी फ्रेंचाइजी से अलग हो चुके थे। होप्स, रिकी पोंटिंग की अगुवाई वाली सपोर्ट स्टाफ टीम में तेज गेंदबाजी कोच थे, जबकि हैडिन किंग्स के साथ फील्डिंग कोच थे। दोनों को ऑस्ट्रेलिया में राज्य की टीमों में नौकरी मिल गई है। अब पंजाब किंग्स को अगले सीजन से पहले तीन नए कोच खोजने होंगे, क्योंकि बहुतुले ने भी स्पिन-बॉलिंग कोच का पद छोड़कर गौतम गंभीर के साथ भारतीय टीम में स्पिन कोच के तौर पर काम करना शुरू कर दिया है। एक आईपीएल सूत्र ने बताया, 'हां, हैडिन और होप्स पंजाब किंग्स से अलग हो गए हैं। आईपीएल 2026 के बाद, वे ऑस्ट्रेलिया में स्थानीय राज्य टीमों के साथ हेड कोच के तौर पर जुड़ गए। होप्स ने क्वींसलैंड के हेड कोच का पद संभाला है और बिग बैश लीग टीम ब्रिस्बेन हीट में भी यही भूमिका निभाएंगे। वहीं, हैडिन ने न्यू साउथ वेल्स पुरुष टीम के हेड कोच का पद संभाला है और उन्हें बिग बैश लीग में भी कोचिंग की भूमिका मिल सकती है।' सूत्र ने आगे बताया कि फ्रेंचाइजी कोचों की तलाश करेगी और दिसंबर में होने वाली नीलामी से पहले इस पर फैसला लिया जाएगा। सूत्र ने कहा, 'उम्मीद है कि दिसंबर में आईपीएल नीलामी से पहले पंजाब किंग्स के तीन नए कोचों के बारे में फैसला ले लिया जाएगा।

रणजी ट्रॉफी : चंडीगढ़ के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेगी मुंबई, नजरें रिकॉर्ड 43वें खिताब पर

मुंबई एजेंसी। मुंबई की टीम रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में चंडीगढ़ के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। कप्तान सिद्धेश लाड और उप-कप्तान आयुष म्हात्रे की निगाहें रिकॉर्ड 43वें रणजी ट्रॉफी खिताब पर टिकी हैं। कप्तान सिद्धेश लाड नेतृत्व समूह में फर्स्ट-क्लास क्रिकेट का व्यापक अनुभव लेकर आए हैं; उन्होंने अपने घरेलू करियर में 5,600 से अधिक रन बनाए हैं। 2025-26 सीजन के दौरान मिडिल-ऑर्डर में अहम भूमिका निभाते हुए, लाड ने दबाव वाली स्थितियों में मुंबई को स्थिरता और मजबूती प्रदान की। वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में, मुंबई के कप्तान सिद्धेश लाड ने टीम की शानदार विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी के बारे में बात की। उन्होंने भारतीय घरेलू क्रिकेट की सबसे सफल टीमों में से एक का प्रतिनिधित्व करने के साथ आने वाले दबाव को स्वीकार करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा, 'मुंबई के शानदार इतिहास, हमारे जीते गए 42 रणजी ट्रॉफी खिताबों और टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों की विरासत को देखते हुए, जब आप मुंबई की जर्सी पहनते हैं तो हमेशा दबाव होता है, लेकिन एक टीम के तौर पर, हम उस दबाव से भागने के बजाय उसे अपनाना चाहते हैं। हम मुंबई का प्रतिनिधित्व करने से जुड़े इतिहास और संस्कृति को समझते हैं, और हम इस सीजन के लिए उत्साहित हैं। 'उप-कप्तान म्हात्रे घरेलू क्रिकेट में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। 19 वर्षीय ओपनिंग बल्लेबाज ने 13 फर्स्ट-क्लास मैचों में 660 रन बनाए हैं। इस साल की शुरुआत में हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले म्हात्रे का टॉप ऑर्डर में संयम मुंबई की बल्लेबाजी इकाई के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति साबित होगा।

धनंजय डी सिल्वा ने छोड़ी श्रीलंकाई टीम की टेस्ट कप्तानी, जानें कैसा रहा बतौर कैप्टन रिकॉर्ड

नई दिल्ली एजेंसी। धनंजय डी सिल्वा ने श्रीलंका के टेस्ट कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया है। स्टार ऑलराउंडर ने खुद इसकी पुष्टि की है। श्रीलंका की चयन समिति को भेजे एक पत्र में डी सिल्वा ने कहा, 'मेरी राय है कि कप्तानी की जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंपी जानी चाहिए।' धनंजय डी सिल्वा ने पुष्टि की है कि वह एक खिलाड़ी के तौर पर देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध रहेंगे। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) के सीईओ एशले डी सिल्वा ने उनके बाकी करियर के लिए शुभकामनाएं दी हैं। एसएलसी के सीईओ ने कहा, 'श्रीलंका क्रिकेट उनके बाकी करियर के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता है और हमारी टेस्ट टीम को दी गई उनकी कप्तानी के लिए उनका धन्यवाद करता है। 'डी सिल्वा को जनवरी 2024 में दिमुथ करुणारत्ने की जगह टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया था। उन्होंने 18 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की और 7 मैचों में जीत दिलाई। कप्तान के तौर पर, डी सिल्वा ने 18 मैचों में 36.45 की औसत से 1,130 रन बनाए, जिसमें 3 शतक और 7 अर्धशतक शामिल रहे।

वनडे वर्ल्ड कप 2027 के लिए कितनी तैयार टीम इंडिया?

टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स के सामने खड़े कई बड़े सवाल

नई दिल्ली एजेंसी। वनडे वर्ल्ड कप 2027 के शेड्यूल का ऐलान हो चुका है। साउथ अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में अगले साल यह विश्व कप खेला जाना है। भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज 7 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी। हालांकि, टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स के सामने भारत के स्क्वॉड को लेकर कई बड़े सवाल हैं, जिनका जवाब और समाधान वक्त रहते खोजना है। तैयार नहीं बैकअप ओपनर: वनडे विश्व कप 2027 में शुभमन गिल और रोहित शर्मा पारी का आगाज करेंगे यह बात तो तय है, लेकिन अगर इन दोनों बल्लेबाजों में से कोई एक चोटिल हो जाता है, तो भारत ने अब तक बैकअप ओपनर तैयार नहीं किए हैं।

यशस्वी जायसवाल को हर बार वनडे टीम में चुना जाता है, लेकिन वह बेंच पर ही बैठे रह जाते हैं। यशस्वी ने अपने वनडे करियर में कुल 6 मैच खेले हैं, जबकि इस साल उन्हें सिर्फ दो वनडे खेलने का मौका मिला है। टीम मैनेजमेंट अगर ईशान को विकल्प के तौर पर देख रहा है, तो उन्होंने भी साल 2026 में महज 5 वनडे मैच खेले हैं। हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई सीरीज में यशस्वी को मौका नहीं मिला था। बिखर नजर आ रहा मिडिल ऑर्डर: भारतीय टीम के सामने मिडिल ऑर्डर भी बड़ी चुनौती नजर आ रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में ईशान किशन एक मैच में नंबर चार पर खेले थे, तो एक मुकाबले में श्रेयस अय्यर को इस पोजीशन पर उतारा गया था। केएल राहुल की बैटिंग पोजीशन को भी लगातार बदला गया है। टीम मैनेजमेंट किस बल्लेबाज को किस पोजीशन पर खिलाना चाहता है यह अब तक तय नहीं हो सका है।

भारत को वनडे विश्व कप से पहले अब 11 एकदिवसीय मैच और एशिया कप ही खेलना है, ऐसे में मिडिल ऑर्डर का कॉम्बिनेशन क्या होगा यह तय करना जरूरी है। लोअर ऑर्डर में भी चिंता का विषय है, क्योंकि वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। विकेटकीपर को लेकर सस्पेंस: वनडे विश्व कप 2027 में भारत के लिए विकेटकीपर की जिम्मेदारी कौन संभालेगा यह भी तय नहीं है। केएल राहुल आमतौर पर वनडे में कीपर के दस्ताने पहने हुए नजर आए हैं। हालांकि, साउथ अफ्रीका जैसी कंडिशंस में राहुल के लिए कीपिंग एक चुनौती साबित हो सकती है।

व्यापार

टाटा समूह विवाद: सात ट्रस्टों ने दाखिल किए 84 कैविएट

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट के भीतर चल रहे विवाद के बीच सात ट्रस्टों ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर के समक्ष कुल 84 कैविएट दायर किए हैं। इनका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि ट्रस्टों से जुड़े किसी मामले में चैरिटी कमिश्नर कोई आदेश देने से पहले संबंधित पक्षों की बात सुने। सूत्रों के मुताबिक, इन कैविएट में नोएल टाटा और नेविल टाटा को कैविएटर बनाया गया है। टाटा ट्रस्ट के अंतर्गत आने वाले सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) में शासन और फैसले लेने के अधिकार को लेकर विवाद बढ़ रहा है। बड़ी संख्या में कैविएट दाखिल करने की वजह नोएल टाटा और नेविल टाटा के खिलाफ लगाए गए अलग-अलग आरोप बताए जा रहे हैं। टाटा ट्रस्ट ने फिलहाल इस मामले पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। सर रतन टाटा ट्रस्ट पर पहले से रोक महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर पहले ही सर रतन टाटा ट्रस्ट के कामकाज पर कुछ प्रतिबंध लगा चुके हैं। इसके चलते ट्रस्ट फिलहाल बैठक नहीं कर पा रहा है।

बिरला सीएसआर के सहयोग से स्वच्छता कार्यक्रम एवं जागरूकता रैली

सतना, एजेंसी। गांधी जयंती के अवसर पर ग्राम बठियाकला में बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड, यूनिट सतना सीमेंट वर्क्स के सीएसआर सहयोग एवं जनपद पंचायत सोहावल के समन्वय से स्वच्छ ग्राम अभियान के अंतर्गत स्वच्छता कार्यक्रम, सामूहिक श्रमदान एवं जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम यूनिट हेड श्री कौशल मिश्रा के मार्गदर्शन एवं एचआर क्लस्टर हेड श्री प्रदीप सिंह बघेल के नेतृत्व में आयोजित किया गया। पहल का क्रियान्वयन बिरला सीएसआर टीम के श्री रंजीत कुमार प्रसाद एवं श्री विजय चौबे तथा एनजीओ पार्टनर आसरा के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक दीप्ति दुबे द्वारा ए 1470, सेक्टर आई, एल.डी.ए. कालोनी, कानपुर रोड लखनऊ 226012 से प्रकाशित व तानु आफसेट, लालकुआं लखनऊ से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।
****
टेलीफैक्स : 0522.3564414
फोन: 919839666352
आर.एन.आई.: UPHIN/2004/18844
डाकपंजीयन :- जी-2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004-5
E-mail: lokhastakshep@gmail.com
संपादक : दीप्ति दुबे
स्थानीय संपादक : अजेय अजय
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

भारतीय फ्रेमवर्क पूरी तरह निष्पक्ष, सरकार ने दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क के आरोपों को सिरे से किया खारिज

नई दिल्ली एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन अप्रूवल प्रोसेस में भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा था कि कुछ ताकतवर लोग उनकी सैटकॉम कंपनी स्टारलिंक की एंट्री को रोक रहे हैं। लेकिन सरकार ने उनके आरोपों को खारिज करते हुए आज कहा कि भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन्स समेत सभी तरह की टेलीकॉम सर्विसेज के लिए ऑथराइजेशन फ्रेमवर्क भेदभाव रहित और पूरी तरह निष्पक्ष है। सरकार ने कहा है कि तीनों लाइसेंस्ड ऑपरेटर सिक्योरिटी असेसमेंट से गुजर रहे हैं और एक ही रेगुलेटरी स्टेज पर हैं। कम्युनिकेशन मिनिस्ट्री ने एक बयान में कहा कि स्पेक्ट्रम असाइनमेंट मांगने के अगले स्टेप पर जाने से पहले ऑपरेटरों को सिक्योरिटी शर्तों का पालन दिखाना होगा। सरकार ने सैटेलाइट कम्युनिकेशन सर्विसेज समेत सभी टेलीकम्युनिकेशन सर्विसेज के लिए एक फेयर और बिना भेदभाव वाला ऑथराइजेशन फ्रेमवर्क बनाया है।

मस्क का आरोप: बयान में कहा गया है कि इस प्रोसेस के हिस्से के तौर पर तीनों लाइसेंस होल्डर्स के लिए सिक्योरिटी असेसमेंट अभी चल रहा है। अभी, तीनों एंटिटीज मोटे तौर पर एक ही रेगुलेटरी स्टेज पर हैं।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने उत्तर भारत में अपनी क्षेत्रीय क्षमता बढ़ाई

मुंबई, एजेंसी। भारत की प्रमुख ग्रीन सीमेंट बनाने वाली कंपनियों में से एक और कई क्षेत्रों में काम करने वाले जेएसडब्ल्यू ग्रुप का हिस्सा जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने आज राजस्थान के नागौर में 1.00 एमटीपीए की एक और सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट के सफल चालू होने की घोषणा की। यह यूनिट का चालू होना कंपनी की ग्रोथ स्ट्रैटेजी में एक और अहम पड़ाव है। इसके साथ ही जेएसडब्ल्यू सीमेंट की कुल सीमेंट ग्राइंडिंग क्षमता बढ़कर 25.10 एमटीपीए हो गई है, जबकि इसकी कुल क्लिंकर बनाने की क्षमता (जिसमें इसके जॉइंट वेंचर जेएसडब्ल्यू सीमेंट एफजेडसी की क्लिंकर क्षमता भी शामिल है) 9.74 एमटीपीए है। जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने मार्च 2026 में नागौर इंटीग्रेटेड प्लांट के साथ उत्तर भारत में अपना कामकाज शुरू किया था। इस प्लांट में 3.30 एमटीपीए की क्लिंकर बनाने वाली यूनिट और 2.50 एमटीपीए की सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट शामिल थी। जेएसडब्ल्यू सीमेंट के सीईओ श्री नीलेश नारवेकर ने कहा- नागौर में 1.00 एमटीपीए की अतिरिक्त ग्राइंडिंग क्षमता शुरू करना हमारे लिए एक अहम रणनीतिक प्राथमिकता है और इससे उत्तर भारत में जेएसडब्ल्यू सीमेंट के विस्तार को गति मिलेगी। हम इस क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने और राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और एनसीआर इलाके के आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए उत्सुक हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कंपनी ने तय समय-सीमा के भीतर यह ग्राइंडिंग यूनिट शुरू कर दी है।

जो हमारी प्रोजेक्ट को पूरा करने की क्षमता को दिखाता है।

आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस ने विदिशा में नई शाखा खोलकर मध्य प्रदेश में अपनी मौजूदगी बढ़ाई

ADITYA BIRLA
CAPITAL
HOME LOANS

विदिशा , एजेंसी। आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एबीएचएफएल) ने मध्य प्रदेश में अपनी मौजूदगी बढ़ाते हुए विदिशा में नई शाखा शुरू की है। हाउसिंग फाइनेंस के क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में शामिल और आदित्य बिरला कैपिटल लिमिटेड की सहयोगी एबीएचएफएल का यह कदम देशभर में अपना डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क बढ़ाने की उसकी बड़ी योजना का हिस्सा है। इसके साथ मध्य प्रदेश में एबीएचएफएल की कुल शाखाएं 26 हो गई हैं, जिससे राज्य के तेजी से बढ़ते बाजारों में इसकी पकड़ मजबूत होगी और ग्राहकों के लिए सुविधा भी बढ़ेगी। विदिशा का आवासीय बाजार तेजी से विकास कर रहा है। भोपाल महानगरीय क्षेत्र के साथ बढ़ता एकीकरण, बेहतर होती कनेक्टिविटी और बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा विकास शहर के विकास को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। प्रस्तावित 1,757 करोड़ रुपये की भोपाल-विदिशा फोर-लेन सड़क, नॉर्दर्न बाईपास और इंटीग्रेटेड रिंग रोड की योजनाओं से भोपाल और आसपास के क्षेत्रीय बाजारों तक पहुंच बेहतर होने की उम्मीद है। साथ ही, इससे विकास के लिए नए क्षेत्रों के खुलने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।विदिशा को प्रस्तावित भोपाल मास्टर प्लान 2047 के तहत भोपाल की ओर विकसित होने वाले ग्रोथ कॉरिडोर से भी लाभ मिलने की उम्मीद है, जिसमें बेहतर सार्वजनिक परिवहन कनेक्टिविटी की परिकल्पना की गई है। इन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से विदिशा की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होने और एक प्रमुख उपनगरीय विकास केंद्र के रूप में इसके उभरने की प्रक्रिया को गति मिलने की संभावना है।इसके परिणामस्वरूप शहर में आवासीय एवं वाणिज्यिक विकास की मांग बढ़ने की उम्मीद है, जिससे सुविधाजनक और लचीले आवास वित्त समाधानों की आवश्यकता भी बढ़ेगी। एबीएचएफएल की विदिशा में नई शाखा ग्राहकों को उनकी जरूरतों के अनुरूप वित्तीय विकल्प और स्थानीय स्तर पर सहायता उपलब्ध कराने में मदद करेगी, जिससे वे अधिक सुविधा के साथ अपने घर की खरीद, निर्माण या नवीनीकरण की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। एबीएचएफएल अलग-अलग तरह के ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हाउसिंग फाइनेंस के कई समाधान देता है। इनमें अफोर्डेबल हाउसिंग लोन, प्रीमियम हाउसिंग लोन, कंस्ट्रक्शन फाइनेंस और प्रॉपर्टी पर लोन शामिल हैं। कंपनी की सेवाएं वेतनभोगी लोगों, प्रोफेशनल्स, अपना कारोबार करने वालों और नए आय वर्ग के ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं। मजबूत डिजिटल क्षमताओं के दम पर एबीएचएफएल लोन की पूरी प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाता है, जिससे ग्राहकों को जल्दी मंजूरी मिलती है और सेवा का अनुभव भी बेहतर रहता है इस लॉन्च के मौके पर एबीएचएफएल ग्राहकों को एक खास ऑफर दे रहा है, जीरो लॉगिन फीस के साथ 50 लाख रुपये तक के लोन की मौके पर ही मंजूरी। यह ऑफर 07 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक चलेगा, जिससे इस नई शाखा के ग्राहकों को तेज और ज्यादा किफायती लोन सुविधा मिलेगी। कंपनी के इस कदम पर आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री पंकज गाडगिल ने कहा, मध्य प्रदेश हमारे लिए विकास की अपार संभावनाओं वाला अहम बाजार है। मजबूत मांग और बढ़ती आकांक्षाओं को देखते हुए हम अपनी मौजूदगी इलाकों में फैला रहे हैं, ताकि ग्राहकों से गहरा रिश्ता बने। अपने बढ़ते डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और मजबूत डिजिटल क्षमताओं के साथ हमारा लक्ष्य घर खरीदने की पूरी प्रक्रिया को ग्राहकों के लिए आसान, तेज और बिना झंझट का बनाना है। अपने हैप्पी होम लोन जर्नी वाले वादे के मुताबिक, यह विस्तार दिखाता है कि एबीएचएफएल हमेशा ग्राहकों को पहले रखने, जिम्मेदारी से लोन देने और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक फाइनेंस पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी अपने बड़े, विविध और गहराई तक फैले रिटेल पोर्टफोलियो के जरिए लगातार इस दिशा में काम कर रही

यूएन में भारत का तंज: पाक को तबाह एयरफील्ड, टूटे रनवे की 'खोखली जीत' मुबारक

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की छठी समिति (कानूनी मामले) में भारत ने एक बार फिर आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर बेनकाब किया है। 'अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को खत्म करने के उपाय' विषय पर आयोजित चर्चा के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रथम सचिव राघू पुरी ने पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा दिए गए भ्रामक बयानों का खंडन करते हुए भारत के 'राइट ऑफ रिप्लाई' (जवाब देने का अधिकार) का इस्तेमाल किया।

न्यूयॉर्क स्थित यूएन में भारत के स्थायी मिशन ने 'एक्स' पर भारतीय राजनयिक का बयान साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा असली सवाल तो यह है कि तब क्या होता है, जब किसी देश की

ज़मीन से आतंकवादियों को पैसा, मदद, ट्रेनिंग, पनाह या सपोर्ट मिलता है? सिर्फ़ बयानों से आतंकवाद को नहीं हराया जा सकता। इसके लिए दोषियों, आयोजकों, पैसा देने वालों और स्पॉन्सर करने वालों के खिलाफ़ कार्रवाई की ज़रूरत है।

पुरी ने कहा पाकिस्तान खुद को 'फ्रंटलाइन स्टेट' और पीड़ित बताता है, लेकिन इस बात को छिपाता है कि जिन 'फ्रेंकस्टीन' (खतरनाक ताकतों) को उसने बनाया और जिन पर से उसका कंट्रोल खत्म हो गया, वे अब पड़ोसी देशों में तबाही मचाने के बाद खुद पाकिस्तान में भी वही कर रहे हैं। पाकिस्तान के अपने नेताओं ने ही इस बात का खुलासा किया है। आप एक ही समय में दो विरोधी पक्षों का साथ नहीं दे सकते।

भारत ने स्पष्ट किया कि यूएन की लिस्ट में शामिल मसूद अज़हर (जेईएम चीफ और भारत पर हमलों का मास्टरमाइंड) के लिए ज़्यादा इनाम का ऐलान करना सिर्फ़ दिखावा है। आतंकवाद को पाकिस्तान की तरफ़ से मिलने वाली आर्थिक मदद के बारे में सब जानते हैं। कुछ महीने पहले ही, पाकिस्तानी प्रतिनिधियों ने जेईएम को 'निष्क्रिय' बताया था। अगर मीडिया अज़हर तक पहुंच सकता है और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर उसकी पुष्टि ले सकता है, तो पाकिस्तानी सरकार को निश्चित रूप से पता होगा कि वह कहां है।

उन्होंने आगे कहा दुनिया 9/11 और बिन लादेन के मिलने की जगह को नहीं भूली है। न ही 26/11 को और न ही पहलगाम को। कई परिवारों को अभी भी न्याय का इंतज़ार है, जबकि दोषी आज़ाद घूम रहे हैं। पहलगाम के पीड़ितों से उनका धर्म पूछा गया था, न कि उनकी राजनीति। यह बहुत अजीब बात है कि पाकिस्तान धार्मिक नफ़रत से लड़ने की बात करता है, जबकि वह खुद सीमा-पार आतंकवाद को बढ़ावा देता है। पाकिस्तान 'ऑपरेशन सिंदूर' पर अपनी सेना के नैरेटिव को प्रचारित करने के लिए बेताब है और नैरेटिव बनाने, गलत जानकारी फैलाने और दुष्प्रचार करने में लगा हुआ है। अगर बर्बाद हो चुके एयरफील्ड और गड्ढों से भरे रनवे पाकिस्तान को जीत जैसे लगते हैं, तो वह खुशी-खुशी इसका आनंद ले सकता है।

भारतीय राजनयिक ने पाकिस्तान के उन तमाम खोखले वादों की पोल तो खोली ही, जिनमें वह आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई का अग्रिम मोर्चा (फ्रंटलाइन स्टेट) होने का दम भरता रहा है। साथ ही भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान उसे हुए भारी नुकसान को दुनिया के सामने रखते हुए स्पष्ट कर दिया कि तबाही को जीत बताना बंद किया जाए।

(शाश्वत तिवारी)

हरियाणा सरकार तो नहीं जागी सोनीपत स्कूल हादसे के बाद मानवाधिकार आयोग ने दिए सुरक्षा आडिट के आदेश

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। हरियाणा के। सोनीपत में स्कूल का मेहराब गिरने से बच्चे की मौत के दर्दनाक हादसे के बाद बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता दिखाते हुए मानवाधिकार आयोग ने प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों के भवनों का सुरक्षा ऑडिट कराने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत स्कूलों की इमारतों, मेहराबों, चारदीवारी और अन्य ऐसे ढांचों की जांच की जाएगी, जिनसे विद्यार्थियों की जान को खतरा हो सकता है। खतरनाक पाए जाने वाले ढांचों की तत्काल मरम्मत, बैरिकेडिंग अथवा जरूरत पड़ने पर उन्हें गिराने के निर्देश दिए गए हैं।

सोनीपत में स्कूल परिसर में मेहराब गिरने से बच्चे की मौत की घटना ने स्कूल भवनों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद मानवाधिकार आयोग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों में ऐसे सभी संभावित खतरनाक स्थानों की पहचान करने के निर्देश दिए हैं। आयोग का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी सरकारी स्कूल में जर्जर भवन या कमजोर ढांचा विद्यार्थियों और स्टाफ के लिए खतरा न बने।सुरक्षा ऑडिट के दौरान केवल मुख्य स्कूल भवन की स्थिति ही नहीं देखी जाएगी, बल्कि स्कूल परिसर में बने मेहराब, बरामदे, छत, कमरों की दीवारें, चारदीवारी, गेट और अन्य निर्माण भी जांचे जाएंगे। जहां कहीं भी दरार, कमजोर निर्माण, टूट-फूट या गिरने की आशंका होगी, वहां तत्काल सुरक्षा कदम उठाने होंगे।जांच में यदि कोई ढांचा खतरनाक पाया जाता है तो उसे खुला छोड़ने के बजाय संबंधित विभाग को कार्रवाई करनी होगी। जरूरत के अनुसार ऐसे ढांचे की मरम्मत, बैरिकेडिंग या ध्वस्तीकरण किया जाएगा। जब तक मरम्मत या ध्वस्तीकरण का काम पूरा नहीं होता, तब तक विद्यार्थियों को उस स्थान से दूर रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

मानवाधिकार आयोग के निर्देशों के बाद शिक्षा विभाग और संबंधित अधिकारियों पर स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिम्मेदारी बढ़ गई है। स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए जर्जर और जोखिम वाले निर्माण की पहचान कर समय रहते कार्रवाई करना जरूरी माना गया है। इस प्रक्रिया में स्कूल प्रबंधन को भी अपने परिसर में किसी भी खतरनाक स्थिति की जानकारी तत्काल उच्च अधिकारियों को देने के निर्देश दिए जा सकते हैं।

वोट बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत इंडिया गठबंधन का पंचकूला में प्रदर्शन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

चंडीगढ़। कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत पंचकूला में गुरुवार को इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने एकजुट होकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार की रक्षा के साथ-साथ दिल्ली में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ किए गए दुर्व्यवहार के खिलाफ कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने कड़ा रोष व्यक्त किया।

हरियाणा कांग्रेस मामलों के प्रभारी संजय दत्त के नेतृत्व तथा हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और मतदाता के वोट की ताकत को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर पंचकूला विधायक चंद्र मोहन, पूर्व विधायक प्रदीप चौधरी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय चौहान, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुधा भारद्वाज तथा प्रदेश मीडिया प्रभारी संजीव भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि 'वोट बचाओ-देश बचाओ' केवल कांग्रेस का अभियान नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान में विश्वास रखने वाले प्रत्येक नागरिक की लड़ाई है। मतदाता का वोट लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और इसके साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, निष्पक्ष निर्वाचन प्रक्रिया और जनता के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान को हर गांव, हर वार्ड और हर बूथ तक लेकर जाएं तथा जनता को लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए जागरूक करें।संजय दत्त ने कहा कि देश में विपक्ष की आवाज को दबाने के बजाय सरकार को जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार प्रत्येक नागरिक को संविधान ने दिया है और इस अधिकार की रक्षा के लिए इंडिया गठबंधन पूरी मजबूती से संघर्ष करेगा।

हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि आज देश में लोकतंत्र और संविधान को मजबूत करने की जरूरत है। जनता के वोट की ताकत से चुनी गई सरकार को जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए, न कि विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास करना चाहिए।उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ दिल्ली में किए गए दुर्व्यवहार को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं में भी भारी रोष है।उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ दुर्व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना के अनुरूप नहीं है।

राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि वोट का अधिकार केवल एक चुनावी अधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। यदि मतदाता के अधिकार पर कोई आंच आती है तो कांग्रेस और इंडिया गठबंधन चुप नहीं बैठेगा।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान को हरियाणा में जन-आंदोलन का रूप दिया जाएगा और इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल मिलकर जनता के बीच जाएंगे।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 'वोट बचाओ-देश बचाओ', लोकतंत्र बचाओ और संविधान बचाओ के नारों के साथ एकजुटता प्रदर्शित की तथा मताधिकार, लोकतांत्रिक संस्थाओं और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

आवश्यकता है

वाराणसी, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'लोक हस्तक्षेप' के लिए आवश्यकता है महिला एवं पुरुष विज्ञापन प्रतिनिधियों की।

विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी व फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं।

सम्पूर्ण विवरण सहित आवेदन करें।

lokhastakshepcorp@gmail.com

WhatsApp : 9839666352

लोक हस्तक्षेप
The power of truth
वाराणसी | लखनऊ | नई दिल्ली

21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली